कंचन उजाला

हिन्दी दैनिक

RNI No : UPHIN/2019/79194

कंचन उजाला

संजय लीला भंसाली की फिल्म में नजर आ सकती हैं नुसरत भरूचा

लखनऊ से प्रकाशित | सच्चाई के साथ | WWW.Kanchanujala.in | kanchanujalalko@gmail.com

वर्षः 02 अंक : 169 | लखनऊ, सोमवार, 14 जून, 2021 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

कोरोना संक्रमण को लेकर अभी भी रहें गंभीरःयोगी

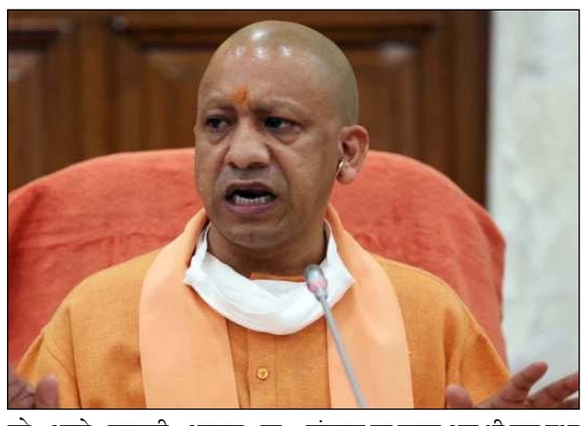

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण की गति थमने के बाद भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसको लेकर बेहद गंभीर है। कोरोना वायरस की समीक्षा बैठक में रविवार को अपने सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीम-09 को जरा सा भी शिथिल न पडने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की स्थिति हर दिन के साथ और नियंत्रित होती जा रही है। वायरस अब भले ही कमजोर पड़ चुका है, लेकिन संक्रमण का खतरा अब भी बना हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोविड संक्रमण की स्थिति नियंत्रण में है। धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही है, लेकिन हमें यह समझना होगा कि वायरस कमजोर हुआ है, खत्म नहीं हुआ। अभी तो यहां पर संक्रमण कम हुआ है, पर जरा सी लापरवाही संक्रमण को फिर बाधा सकती है। उन्होंने कहा कि आप सभी लोग देखें कि सभी लोग मास्क, सैनिटाइजेशन, सोशल डिस्टेंसिंग जैसे कोविड बचाव के व्यवहार को जीवनशैली में शामिल करें। इतना ही नहीं बहुत जरूरी हो तभी घर से बाहर निकलें। भीड़ से बचें। इस सबको लेकर तो पुलिस बल सक्रिय रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बेहतर होती स्थिति के बीच लगातार प्रयासों से ऑक्सीजन की मांग और आपूर्ति सामान्य हो गई है। इसके साथ ही, भविष्य के दृष्टिगत सभी भी तरह की चुनौतियों के लिए तैयारी की जा रही है। ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना का कार्य तेजी से चल रहा है। कुल स्वीकृत 427 ऑक्सीजन प्लांट में से 87 प्लांट क्रियाशील हो चुके हैं। प्लांट स्थापना कार्यों की सतत मॉनीटरिंग की जाए।

15 के बाद भी जारी रखें गेंहूं खरीद

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के हित संरक्षण को सुनिश्चित करते हुए गेहूं खरीद 15 जून के बाद भी जारी रखने की जरूरत है। जब तक किसान आएंगे, गेहूं खरीद जारी रहेगी। कोरोना महामारी के बीच इस वर्ष गेहूं खरीद में उत्तर प्रदेश ने नया कीर्तिमान रचा है। 10 लाख से अधिक किसानों को सीधा लाभ हुआ है। इसके साथ ही सभी जगह पर 72 घंटे के भीतर भुगतान भी सुनिश्चित कराया जा रहा है। अब तो इन व्यवस्थाओं की हर दिन मॉनीटरिंग की जाएं। प्रदेश में इसका प्रसार काफी नियंत्रण में है।

हाईस्कूल व इंटर में नहीं जारी होगा मेरिट लिस्ट

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोविड महामारी के कारण इस बार माध्यमिक शिक्षा परिषद के 10वीं और 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं रद कर दी गई हैं। स्थिति सामान्य होने पर इन बच्चों को अंक सुधार का अवसर भी दिया जाए। कोई मेरिट न जारी किया जाए। परीक्षाफल तैयार करने की विस्तृत नियमावली से बच्चों/अभिभावकों को यथाशीघ्र अवगत करा दिया जाए। इसके साथ ही प्राविधिक शिक्षण संस्थानों में सुविधानुसार ऑनलाईन परीक्षा कराई जानी चाहिए। उच्च शिक्षण संस्थानों में 31 अगस्त तक परीक्षाफल जारी कर सितंबर के दूसरे पखवारे से नवीन शैक्षणिक सत्र की शुरुआत की जानी चाहिए। संबंधित विभाग छात्रों को प्रोन्नत करने के फार्मूले और परीक्षा आयोजन की विधि सहित सभी नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी जल्द से जल्द जारी करें।

छोटे समूह दुनिया पर राज नहीं करते,एक्शन के डर से चीन ने जी-7 को दी चेतावनी

लंदन, एजेंसी। दक्षिण पश्चिम इंग्लैंड के कार्बिस बे में शुक्रवार को शुरू हुए जी-7 देशों के सम्मेलन से चीन बुरी तरह चिढ़ गया है। इस समूह को अपने खिलाफ गुटबाजी के तौर पर देखते हुए चीन ने रविवार को धमकी भरे अंदाज में यहां तक कह दिया कि वह दौर काफी पहले खत्म हो चुका जब कुछ देशों के छोटे समूह दुनिया की तकदीर का फैसला करते थे। लंदन में चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा, वह समय काफी पहले बीत गया, जब देशों के छोटे समूह वैश्विक फैसले लिया करते थे। हम हमेशा यह मानते हैं कि देश बड़ा हो या छोटा, मजबूत हो या कमजोर, गरीब हो या अमीर सभी बराबर हैं और दुनिया से जुड़े मुद्दों पर सभी देशों के सलाह-मशविरे के बाद भी फैसला लिया जाना चाहिए। जी-7 के नेताओं ने चीन के वैश्विक अभियान के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक बुनियादी ढांचा योजना का अनावरण किया है लेकिन फिलहाल इस पर सहमति नहीं बन पाई है कि मानवाधिकारों के उल्लंघन पर चीन को किस तरह रोका जाए। राष्ट्रपति जो बाइडन ने जी-7 शिखर सम्मेलन में लोकतांत्रिक देशों पर बंधुआ मजदूरी प्रथाओं को लेकर चीन के बहिष्कार का दबाव बनाने की योजना तैयार की है। वहीं, शनिवार को कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने चीन को लेकर हुई चर्चा की अगुवाई की। उन्होंने सभी नेताओं से अपील की कि वे चीन की ओर से बढ़ते खतरे को रोकने के लिए संयुक्त कदम उठाएं। बता दें कि जी-7 देश विकासशील देशों को ऐसे बुनियादी ढांचे की स्कीम का हिस्सा बनने का प्रस्ताव देने की योजना बना रहे हैं, जो चीन की अरबों-खरब डॉलर वाली बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव को टक्कर दे सके। दक्षिण पश्चिम इंग्लैंड के कार्बिस बे में शुक्रवार को शुरू हुआ यह सम्मेलन रविवार यानी आज संपन्न होगा।

महाराष्ट्र सरकार में शिवसेना को नौकर समझती थी भाजपा

दो दिन पहले कहा था- मोदी ही टॉप लीडर

मुंबई, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे की 100 मिनट की मीटिंग के बाद सियासी बयानों की लहर लगातार जारी है। दो दिन पहले मोदी को देश का टॉप लीडर बताने वाले संजय राउत ने अब उल्टा बयान दे दिया है। राउत ने कहा कि पिछली महाराष्ट्र सरकार में भाजपा का शिवसेना के लिए व्यवहार नौकरों जैसा होता था। राउत 2014 से 2019 के बीच के समय की बात कर रहे थे, जब शिवसेना भाजपा के साथ महाराष्ट्र की सत्ता में थी। जलगांव में शिवसेना कार्यकर्ताओं के बीच राउत ने कहा, राज्य में जो पिछली सरकार बनी थी, उसमें शिवसेना को दूसरे नंबर का दर्जा दिया गया था। हमारे साथ नौकर की तरह का व्यवहार किया जाता था। इतना ही नहीं, जिस पार्टी के समर्थन से भाजपा सत्ता में आई थी, उसी सत्ता का इस्तेमाल कर हमें खत्म करने की भी कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा कि मेरा हमेशा से ही ये मानना रहा है कि महाराष्ट्र में सीएम शिवसेना का ही होना चाहिए। भले ही शिवसैनिक को कुछ न मिले, पर हम गर्व से ये तो कह सकते हैं कि महाराष्ट्र की सत्ता शिवसेना नेता के हाथ में है। महा विकास अघाड़ी सरकार इसी भावना के साथ गठित की गई थी। जो अजित पवार सरकार गठन के लिए भाजपा के साथ गए थे, वो आज हमारे गठबंधन के सबसे मजबूत प्रवक्ता हैं। बता दें कि देवेंद्र फडणवीस के साथ नवंबर 2019 में जब अजित पवार ने सरकार बनाई थी, तो वो केवल 80 घंटे ही चली थी।

कपिल सिब्बल ने फिर उठाए कांग्रेस पर सवाल

कहा- देश में मजबूत विकल्प की कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने एक बार फिर पार्टी नेतृत्व पर सवाल उठा दिए हैं। जितिन प्रसाद के भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल होने के बाद पार्टी में बचे ल्22 नेताओं में शामिल सिब्बल ने कहा है कि देश में राजनीतिक विकल्प की कमी है, देश को मजबूत, विश्वसनीय विपक्ष की जरूरत है। उन्होंने पार्टी में सुधार की जरूरत बताते हुए कहा कि भारत को पुनरुत्थानवादी कांग्रेस की जरूरत है लेकिन पार्टी को यह दिखाने की जरूरत है कि वह सक्रिय है और सार्थक रूप से काम करने की इच्छुक है। कपिल सिब्बल ने कहा कि कांग्रेस को जल्द ही संगठनात्मक चुनाव कराने, केंद्रीय, राज्य स्तरों पर व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है ताकि यह दिखा सके कि अब वह जड़ता की स्थिति में नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस में अनुभवी और युवाओं के बीच संतुलन बनाने की तत्काल आवश्यकता है। सिब्बल उन नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने पिछले साल अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को लेटर लिखकर पार्टी में सुधार की मांग की थी। पीटीआई को दिए इंटरव्यू में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अभी बीजेपी का कोई मजबूत विकल्प नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी सत्ता में बने रहने का नैतिक अधिकार खो चुके हैं।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता इंदिरा हृदयेश का निधन

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता इंदिरा हृदयेश का रविवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। इंदिरा हृदयेश कांग्रेस हाईकमान के साथ होने वाली बैठक में शामिल होने दिल्ली आई थी। यहां उनकी तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उनका निधन गया। वह 80 वर्ष की थीं। वह उत्तराखंड विधानसभा में प्रतिपक्ष की नेता और हल्द्वानी से विधायक थीं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने इकी मौत पर शोक व्यक्त किया है। राहुल गांधी ने यहां जारी शोक संदेश में कहा, उत्तराखंड में कांग्रेस पार्टी की एक मजबूत कड़ी डॉ इंदिरा हृदयेश जी के निधन का दुखद समाचार मिला। वे अंत तक जन सेवा एवं कांग्रेस परिवार के लिए कार्यरत रहीं। उनके सामाजिक व राजनीतिक योगदान प्रेरणास्रोत हैं। उनके प्रियजनों को शोक संवेदनाएँ। उत्तराखंड में कांग्रेस पार्टी की एक मजबूत कड़ी, डॉ इंदिरा हृदयेश जी के निधन का दुखद समाचार मिला।

कोरोना संक्रमण के मामलों में कमी मृत्युदर में मामूली इजाफा

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण के नये मामलों में निरंतर आ रही कमी के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान 80,834 नये मामले सामने आये हालांकि इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़ने मृत्युदर में आंशिक वृद्धि हुई है और यह बढ़कर 1.26 प्रतिशत हो गयी है। इस बीच शनिवार को 34 लाख 84 हजार 239 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये। देश में अब तक 25 करोड़ 31 लाख 95 हजार 48 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। इस महामारी को मात देने वालों की संख्या में निरंतर इजाफे से रिकवरी दर बढ़कर 95.26 फीसदी हो गयी है वहीं सक्रिय मामलों की दर घटकर 3.49 प्रतिशत रह गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 80,834 नये मामले आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर दो करोड़ 94 लाख 39 हजार 989 हो गया। इस दौरान एक लाख 32 हजार 62 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसे मिलाकर देश में अब तक दो करोड़ 80 लाख 43 हजार 446 लोग इस महामारी को मात दे चुके हैं। सक्रिय मामले 54 हजार 531 कम होकर 10 लाख 26 हजार 159 रह गये हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान 3303 मरीज अपनी जान गंवा बैठे और इस बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर तीन लाख 70 हजार 384 हो गयी है। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामले 6179 घटकर 1,58,450 हो गये हैं। इसी दौरान राज्य में 14910 और मरीजों के ठीक होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 5631767 हो गयी है।

अनलॉक के तीसरे चरण में खुली राजधानी दिल्ली, दुकानें मॉल्स और रेस्टोरेंट खुलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में घटते कोरोना संक्रमण के बीच राहत भरी खबर आई है। दिल्ली में सोमवार से अनलॉक के तीसरे चरण के तहत सभी दुकानों को खोलने इजाजत होगी। साथ ही सभी तरह की पब्लिक एक्टिविटी को अनुमति दी गई है। देश की राजधानी दिल्ली को अनलॉक करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि कल सुबह 5 बजे के बाद से कुछ गतिविधियों को छोड़कर सभी गतिविधियों की अनुमति है। दिल्ली में कल से सारी दुकानें, मॉल्स और रेस्टोरेंट खुलेंगे। उन्होंने कहा स्कूल-कॉलेज, शिक्षण संस्थान, सामाजिक, राजनीतिक, खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक, धार्मिक सभाएं, स्विमिंग पूल, स्टेडियम, स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स, सिनेमा, थियेटर, एंटरटेनमेंट पार्क, बैंक्वेट हॉल, ऑडिटोरियम, स्पा, जिम, पब्लिक पार्क और गार्डन पूरी तरह बंद रहेंगे दिल्ली में सुबह 10 से रात के आठ बजे तक दुकानों को खोलने का समय है।

उत्त प्रदेश में 73 दिनों बाद एक दिन में 500 से कम मामले

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कमजोर पड़ती कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के बीच करीब 73 दिनों बाद राज्य में एक दिन में नये मामलों की संख्या 500 से कम दर्ज की गयी है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में वैश्विक महामारी से ग्रसित 468 नये मामले सामने आये है। इससे पहले 21 मार्च को एक दिन में 500 से कम केस दर्ज किये गये थे। इस दौरान 1221 मरीज कोरोना संक्रमण से मुक्त हुये है। बीते 24 घंटों में 2,89,943 सैम्पल जांचे गए, जिसमें सवा लाख सैम्पल आरटीपीसीआर माध्यम से टेस्ट किये गए। राज्य में फिलहाल सक्रिय मामलों की संख्या 8,986 हो गयी है। पिछले 24 घंटों में कुल पॉजिटिविटी दर मात्र 0.2 प्रतिशत रही, जबकि रिकवरी दर 98.2 फीसदी हो गई है। कोरोना महामारी के बीच अब तक 16 लाख 71 हजार 852 प्रदेशवासी कोविड संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना प्रबंधन के लिये गठित टीम-09 की बैठक में कहा कि प्रदेश में कोरोना महामारी की स्थिति हर दिन के साथ और नियंत्रित होती जा रही है। वायरस अब कमजोर पड़ चुका है, लेकिन संक्रमण का खतरा अब भी बना हुआ है। इसलिये और अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है। उन्होने कहा कि पिछले 12 दिनों में लगभग 46 लाख लोगों ने टीका-कवर प्राप्त किया है। बीते 24 घंटों में 18 से 44 आयु वर्ग के 2,35,683 लोगों सहित 04 लाख 58 हजार से अधिक लोगों ने वैक्सीन कवर लिया है। अब तक प्रदेश में 02 करोड़ 29 लाख 35 हजार 815 डोज लगाई जा चुकी है। हमें अगले माह से प्रतिदिन 10-12 लाख वैक्सीन डोज लगाने के लक्ष्य के सापेक्ष तैयारी करनी होगी।

अब देश में खत्म होगी ऑक्सीजन की किल्लत

नई दिल्ली, एजेंसी। कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान देशभर में ऑक्सीजन की किल्लत को ध्यान में रखते हुए अब ऑक्सीजन की क्षमता बढ़ाने के लिए देश में प्रोजेक्ट ऑक्सीजन शुरू किया है। परियोजना का लक्ष्य वर्तमान मांग को पूरा करना, मेडिकल ऑक्सीजन का निर्माण करना और साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति हो सके। ऑक्सीजन की मांग में इस वृद्धि को पूरा करने के लिए देश की क्षमता को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हितधारकों को सक्षम करने के लिए प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय की सीधी कमान के तहत श्प्रोजेक्ट ऑक्सीजनश् चलाया जा रहा है। परियोजना के तहत, ऑक्सीजन का एक राष्ट्रीय संघ राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण कच्चे माल जैसे जिओलाइट्स, छोटे ऑक्सीजन प्लांटों की स्थापना, कम्प्रेसर का निर्माण और ऑक्सीजन प्लांट, कंसंट्रेटर और वेंटिलेटर जैसे सामानों की राष्ट्रीय स्तर की आपूर्ति को सक्षम कर रहा है।

अब सरकार देश के सुदूर इलाकों में ड्रोन से कोरोना वैक्सीन पहुंचाएगी

लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना वायरस की चेन तोड़ने के लिए बड़े स्तर पर वैक्सीनेशन अभियान चलाया जा रहा है। केंद्र सरकार ने देश के सुदूर इलाकों में ड्रोन से वैक्सीन पहुंचाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। दुर्गम और कठिन रास्ते होने के चलते देश के कुछ हिस्सों में तय समय पर टीके नहीं लग पा रहे हैं। ऐसे में सरकार बड़ी योजना बनाते हुए यह पहल शुरू की है। आईआईटी कानपुर की ओर से किए गए शोध में ऐसा संभव हुआ है। इंडिया काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की ओर से एचएलएल इन्फ्रा टेक सर्विसेज लिमिटेड ने 11 जून को इस संबंध में अनमैन्ड एरियल व्हीकल या ड्रोन के जरिए वैक्सीन पहुंचाने के लिए टेंडर भी आमंत्रित की हैं। कंपनी ने आवेदन के लिए प्रपत्र भी जारी कर दिया है। अभी सिर्फ तेलंगाना में ही ड्रोन के जरिए कोरोना वैक्सीन पहुंचाने का काम कर रहा है। एचएलएल ने बताया ड्रोन 100 मीटर की ऊंचाई पर कम-से-कम 35 किलोमीटर की हवाई दूरी तय करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा यह कम-से-कम 4 किलोग्राम का वजन उठाने और वापस अपने केंद्र पर आने में सक्षम होना चाहिए। एचएलएल ने यह भी साफ कर दिया है कि पैराशूट आधारित डिलिवरी को प्रमुखता नहीं दी जाएगी। आईसीएमआर ने आईआईटी-कानपुर के साथ मिलकर इस संबंध में एक शोध किया है। इसमें यह देखा गया है कि क्या ड्रोन के जरिए देश के दुर्गम इलाकों में कोरोना वैक्सीन पहुंचाई जा सकती है। बता दें कि दो महीने पहले ही नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने आईसीएमआर को ड्रोन से कोरोना वैक्सीन डिलिवरी करने को लेकर अध्ययन करने की मंजूरी दी थी आईसीएमआर ने इस प्रोजेक्ट के लिए आईआईटी-कानपुर के साथ साझेदारी की है।

चुनावों के लिए जम्मू और कश्मीर की पार्टियों से बातचीत की तैयारी में केंद्र

गुपकार भी इसमें शामिल होने के लिए राजी

श्रीनगर, एजेंसी। केंद्र सरकार जल्द ही जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों से बातचीत की शुरुआत कर सकती है। ये बातचीत जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने और यहां पर चुनावी प्रक्रिया को शुरू करने के लिए होगी। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक न्योता नहीं भेजा गया है। न्यूज वेबसाइट एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा है कि पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस समेत 7 दलों के संगठन गुपकार ने भी इस बातचीत में शामिल होने के लिए हामी भर दी है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने भी कहा है कि वो परिसीमन से जुड़ी बातचीत में शामिल होगा। जून 2018 में जम्मू-कश्मीर में तब राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था, जब भाजपा ने पीडीपी के साथ अपना गठबंधन खत्म करने का ऐलान किया था। इस घटना के बाद से वहां पर चुनावों को लेकर कोई भी सियासी हलचल नहीं हुई है। अगस्त 2019 में जब केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा खत्म किया। साथ ही जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को दो केंद्र शासित प्रदेशों में तब्दील कर दिया। 2019 लोकसभा चुनावों के बाद राज्य में विधानसभा चुनाव कराए जाने के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन चुनाव आयोग ने सुरक्षा कारणों से इसे नकार दिया। सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने कश्मीरी लीडरशिप से बातचीत के संकेत तब दिए हैं, जब अमेरिका ने भारत पर कश्मीर में चुनावी प्रक्रिया शुरू किए जाने पर दबाव डाला है।

यूपीः प्रशासनिक अफसरों के गुपचुप तबादले जारी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में गुपचुप तबादलों का दौर जारी है। शनिवार रात को नौ डिप्टी कलेक्टर के तबादले किए गए। इसे पब्लिक डोमेन में जारी नहीं किया गया। दबा-छिपाकर तबादलों पर पीएसएस अफसरों में तीखी प्रतिक्रिया हो रही है। मिर्जापुर में डिप्टी कलेक्टर सुरेंद्र बहादुर सिंह व उपशा में ओएसडी उदय भान सिंह को वाराणसी में डिप्टी कलेक्टर बनाया गया है। सूत्रों का कहना है कि मुजफ्फरनगर में एसडीएम अशोक कुमार को एसडीएम रामपुर, एसडीएम मिर्जापुर रोशनी यादव को उपशा में ओएसडी बनाया गया है। एसडीएम रामपुर डॉ राजेश कुमार को एसडीएम बदायूं व सहायक नगर आयुक्त अलीगढ़ राजबहादुर को एसडीएम मुरादाबाद बनाया गया है। नोएडा अथॉरिटी में ओएसडी संतोष उपाध्याय को एसडीएम ललितपुर व एसडीएम ललितपुर अविनाश त्रिपाठी को नोएडा अथॉरिटी में ओएसडी बनाया गया है। एसडीएम हाथरस ठाकुर प्रसाद अब अलीगढ़ के सहायक नगर आयुक्त होंगे।

दिग्विजय के अनुच्छेद-370 के मसले पर अपना रुख साफ करे कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के उस बयान पर कांग्रेस से अपना रुख साफ करने का कहा है जिसमें उन्होंने कथित तौर पर यह कहा था कि मोदी सरकार के सत्ता से बाहर होने पर कांग्रेस अनुच्छेद-370 को खत्म करने के फैसले पर पुनर्विचार करेगी। वहीं कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने कहा कि अनुच्छेद-370 के मुद्दे पर दिग्विजय की टिप्पणी कांग्रेस के रुख के अनुरूप है। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पर आए ऑडियो टेप के मुताबिक दिग्विजय सिंह ने कहा था कि अनुच्छेद-370 को रद करना और जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा खत्म करना बहुत ही दुखी करने वाला फैसला है। उम्मीद है कि कांग्रेस इस मसले को दोबारा देखेगी। इस बयान पर निशाना साधते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा- कांग्रेस नेतृत्व अनुच्छेद-370 के मसले पर चुप्पी साधे हुए है। क्या कांग्रेस अनुच्छेद-370 को बहाल करना चाहती है। चुप रहने का समय नहीं है। कांग्रेस को दिग्विजय सिंह के बयान पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने एक अन्य ट्वीट में कहा है कि अनुच्छेद-370 निरस्त करते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सुशासन बहाल करने का भाजपा ने वादा किया था। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के दूर-दराज क्षेत्रों में कोरोना के खिलाफ टीकाकरण जिस तेजी के साथ चल रहा है वह सुशासन का ही संकेत है। वहीं कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने कहा है कि अनुच्छेद-370 को निरस्त करने से पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर के मसले को उठाने का मौका मिला। इसके चलते भारत की काफी आलोचना हुई।

पीयूष गोयल ने तिरुमला मंदिर में की पूजा-अर्चना

तिरुमला, एजेंसी। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ रविवार सुबह यहां भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की। श्री गोयल के आगमन पर तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी ए. वी. धर्म रेड्डी और मंदिर के पुजारियों ने उनका भव्य स्वागत किया और उन्हें अपने साथ गर्भगृह तक लेकर गये। बाद में श्री गोयल को वैदिक पंडितों ने वेदाशिर्वचनम प्रदान किया और उन्हें श्रीवरी तीर्थ प्रसाद और भगवान वेंकटेश्वर की लेमिनेशन की गयी फोटो भेंट की गयी। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश के मंत्री एस बी राजेंद्रनाथ, एमपी गुरुमूर्ति, टीटीडी बोर्ड के सदस्य चाविरेड्डी भास्कर रेड्डी और अन्य लोग उपस्थित थे।

वेस्ट बंगाल ने किया बीजेपी को चौकन्ना

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाटों पर टिकी निगाह

लखनऊ, सवांददाता। यूपी में बदले सियासी समीकरण साधने का प्रश्न उठ खड़ा हुआ है। बीजेपी हाईकमान रिस्क लेने के मूड में तनिक भी नहीं है। यू पी नहीं मिला तो दिल्ली दूर हो सकती है। वाया उत्तर प्रदेश ही दिल्ली में फहराया भगवा। 2014 ,2017 और 2019 में जो माहौल था वो अब नहीं है। इसे नकार नहीं सकत हैं। 2022 में फतेह हुई तो 2024 में भी बल्ले बल्ले तय है वर्ना पेशानी पर बल पड़ना भी निश्चित ही समझो। बीजेपी के चाणक्य की नजर से कुछ छिपा नहीं है। वेस्ट बंगाल के चुनाव नतीजों ने तो और चौकन्ना कर दिया है। अब उत्तर प्रदेश में हर कदम संभल कर ही रखेंगे। बाद मशक्कत कोविड-19 से निपटने में सीएम योगी आदित्यनाथ सफलता के करीब पहुंचे हैं। समस्याओं का इस सूबे में अम्बार है। बहुत से परिवारों ने किसी न किसी अपने को खोया है। जिसे आक्सीजन के अभाव में दुनिया से रुख्सत होना पड़ा है, उसके परिवार तबाह हो गये हैं। उनको सम्बल नहीं मिला और वो नाखुश हैं। किसान आंदोलन भले ही दिल्ली बार्डर पर चल रहा है और पुकार मोदी सरकार को रहा है, मगर मतदान तो 2022 में प्रदेश सरकार बनाने की खातिर करेगा। बीजेपी अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी में जुट गई है। खास ध्यान पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर है। पार्टी पदाधिकारियों की बैठक शनिवार को इसी सिलसिले में हुई। बैठक वृंदावन के घ्केशवधाम में हुई, जिसकी सदारत पार्टी के महासचिव संगठन सुनील बंसल ने की। सुनील बंसल ने पार्टी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक अनुकूल माहौल बनाने के लिए तैयार करने पर जोर दिया। सूत्रों की मानें तो बैठक में पार्टी के नेताओं ने महामारी से निपटने में सरकार की चूक को लेकर लोगों के बीच नाराजगी को शांत करने के लिए सक्रिय कदम उठाने का फैसला किया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा की परेशानी बढ़ सकती है। इस क्षेत्र में किसान आंदोलन का असर है। प्रदेश में जाटों की आबादी 6 से 8 प्रतिशत है, लेकिन पश्चिमी यूपी में जाट 17 फीसद से अधिक हैं। सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, बिजनौर, गाजियाबाद, मुरादाबाद, संभल, अमरोहा, बुलंदशहर, हाथरस, अलीगढ़, नगीना, फतेहपुर सीकरी और फिरोजाबाद में जाटों अच्छी खासी जनसंख्या है। इन जिलों में गुर्जरों की संख्या भी कम नहीं है, लेकिन जाट ज्यादा हैं। विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर सभी दल जाट वोटों को लेकर सक्रिय है। भारतीय जनता पार्टी ने तो अपना पूरा ध्यान इसी पर केंद्रित किया है। लोकसभा चुनाव हो या विधानसभा चुनाव, जाट मतदाता जिसपर मेहरबान उसका बेड़ा पार। 2017 में हुए यूपी विधानसभा चुनाव और 2019 का लोकसभा चुनाव में यह बात सच हो चुकी है। 2014 के लोकसभा चुनाव में जाटों ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सभी लोकसभा सीटें भाजपा के खाते में डलवा दी थीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी ऐसा ही रहा। सपा-बसपा और रालोद का मजबूत गठबंधन भी पिट गया था लेकिन अब हालात डिफरेंट हैं। अखिलेश और जयन्त चौधरी फिर साथ हैं। जयंत चौधरी दिल्ली बार्डर गये और खुलकर तीनो कृषि कानूनों को किसान विरोधी करार देते हुए राकेश टिकैत को साथ होने का आश्वासन भी दिया। चौधरी अजित सिंह अब नहीं हैं किंतु उनके प्रति प्यार बढ़ा है जो सहानुभूति बनकर छोटे चौधरी पर उमड़ पड़े तो हैरत नहीं होगी।

महंगाई की रोकथाम के प्रति केन्द्र सरकार उदासीन : मायावती

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों पर चिंता व्यक्त करते हुये आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार महंगाई की रोकथाम के लिये कोई प्रयास नहीं कर रही है। सुश्री मायावती ने ट्वीट किया ÷ एक तरफ कोरोना प्रकोप से हर प्रकार की जबर्दस्त मार और दूसरी ओर पेट्रोल व डीजल आदि की लगातार बढ़ती हुई कीमत के कारण जरूरी वस्तुओं की महंगाई भी आसमान छू रही है जिसने लोगों का जीवन दुःखी व त्रस्त कर दिया है, फिर भी केन्द्र व राज्य सरकारें इस ओर ध्यान नहीं दे रही हैं, अति-दुःखद। उन्होने कहा कि देश के कई राज्यों में पेट्रोल व डीजल की कीमत लगभग 100 रुपए पहुँच जाने से लोगों में आक्रोश की खबर लगातार मीडिया की सुर्खियों में है। कोरोना इलाज सम्बंधी उपकरणों आदि पर जीएसटी कर को कम करके न्यायोचित बनाने की तरह ही सरकार महंगाई कम करने पर भी ध्यान दे। गौरतलब है कि पेट्रोल डीजल की बढती कीमतों को लेकर केन्द्र सरकार विपक्ष के निशाने पर है। इससे पहले शनिवार को कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन किया था

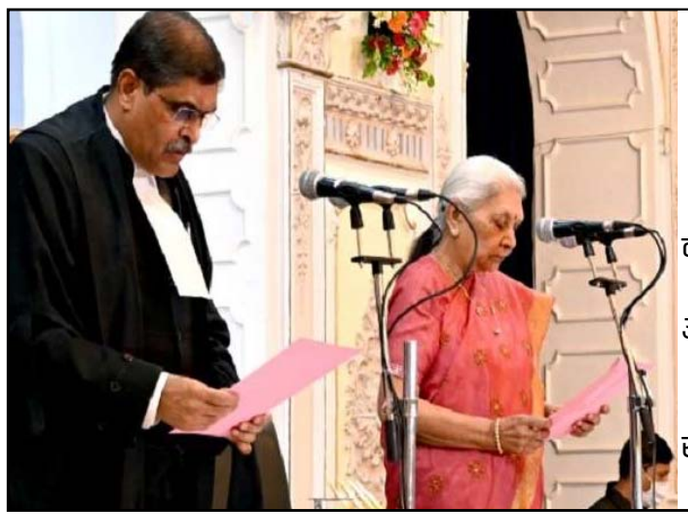

■ लखनऊ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दिन में 12 बजे न्यायमूर्ति संजय यादव को पद तथा गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के विधि एवं कानून मंत्री ब्रजेश पाठक तथा न्यायमूर्ति संजय यादव के परिवार के सदस्य मौजूद थे।

न्यायमूर्ति संजय यादव इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश,राज्यपाल ने दिलाई शपथ

लखनऊ, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय यादव अब मुख्य न्यायाधीश बने हैं। उत्तर प्रदेश राजभवन लखनऊ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दिन में 12 बजे न्यायमूर्ति संजय यादव को पद तथा गोपनीयता की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति संजय यादव ने रविवार को राजभवन में इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीश पद की शपथ ली। उनको राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शपथ दिलाई। इस शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश के विधि एवं कानून मंत्री ब्रजेश पाठक, मुख्य सचिव आरके तिवारी, डीजीपी एचसी अवस्थी तथा न्यायमूर्ति संजय यादव के परिवार के सदस्य मौजूद थे। इलाहाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय यादव का कार्यकाल इसी महीने की 25 तारीख तक ही है। इससे पहले वह 14 अप्रैल से कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में काम कर रहे थे।राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने अब इलाहाबाद हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजय यादव को यहीं मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है। केंद्रीय विधि मंत्रालय की ओर से बीते गुरुवार को जारी अधिसूचना के बाद उनकी नियुक्ति शपथ ग्रहण और कार्यभार संभालने की तिथि से प्रभावी होगी। उनका कार्यकाल 13 दिन का ही है। वह 25 जून 2021 को रिटायर होंगे। इलाहाबाद हाईकोर्ट में उनकी मुख्या न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति संबंधी अधिसूचना अपर सचिव विधि व न्याय राजिंदर कश्यप ने जारी की है।इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय यादव का जन्म 26 जून 1961 को हुआ है। वह 25 अगस्त 1986 में अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत हुए। उन्होंने जबलपुर हाईकोर्ट में सिविल, रेवेन्यू के साथ संवैधानिक मामलों में वकालत की। उन्होंने मार्च 1999 से अक्टूबर 2005 तक सरकारी अधिवक्ता के रूप में काम किया। संजय यादव मध्य प्रदेश के डिप्टी एडवोकेट जनरल भी रहे।दो मार्च 2007 को वह मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के अपर न्यायाधीश नियुक्त हुए और जनवरी 2010 में स्थायी जज बने। वह दो बार मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश भी रहे। आठ जनवरी 2021 को वह मध्य प्रदेश हाईकोर्ट से स्थानांतरित होकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश बने। इसके बाद यहां 14 अप्रैल से वह कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के पद पर कार्य कर रहे थे।

भाजपा राज में दुकानदारी, कारोबार व्यापार सभी बर्बादः अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा राज में दुकानदारी, कारोबार, व्यापार सभी बर्बाद हो गए हैं। करोड़ों व्यापारी भाजपा की गलत आर्थिक नीतियों के शिकार हुए है। नोटबंदी, जीएसटी से परेशान व्यापारियों की हालत लॉकडाउन ने बुरी तरह बर्बाद की है। संवेदनहीन भाजपा सरकार में व्यापारी घर के गहने जेवर गिरवी रखने को मजबूर हो गए है। उस पर तमाम पाबंदियां लगाकर उसे अपमानित-लांछित भी किया जा रहा है। मुरादाबाद के पीतल कारोबार की सांसें टूटती जा रही हैं। कोरोना कर्फ्यू, ऑक्सीजन की किल्लत, कच्चे माल की बदली कीमतों की वजह से इस धंधे में बहुत नुकसान हो चुका है। फर्नीचर कारोबारियों का भी बुरा हाल है। 60 प्रतिशत काम में गिरावट आई है और 15 हजार करोड़ का नुकसान अनुमानित है। बाजार लगातार बंद होने से कारीगर भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। कोरोना संकट की वजह से लगे लॉकडाउन और कर्फ्यू के कारण लखनऊ में 1.25 लाख छोटे-बड़े कारोबारियों को 50 दिनों में 12,650 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। यह लोग साल भर में अच्छा कारोबार कर लेते थे लेकिन इस बार बाजारबंदी से व्यापारी हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे। उनको घर चलाना मुश्किल हो गया है। भाजपा राज में छोटे दुकानदारों की कोई सुनने वाले नहीं है। ठेला, पटरी पर छोटा मोटा सामान बेचने वालो को कोई राहत नहीं मिली। सरकार ने उन्हें 10 हजार रुपए दिलवाने का वादा किया पर मिला धेला भी नही। दुकानों को अकारण छोटे व्यापारियों को अपमानित करना प्रशासन ने अपना अधिकार मान लिया हैं। यह तब जब कि लॉकडाउन में व्यापारियों ने अपनी ओर से प्रशासन को पूरा सहयोग किया। दुकानबंदी के समय से पूर्व ही पुलिस का उनके साथ दुर्व्यवहार शर्मनाक है। भाजपा राज में व्यापारियों के साथ बदले की भावना से समाजवादियों का भी उत्पीड़न हो रहा है। कई व्यापारियों की हत्या और अपहरण की घटनाएं हुई हैं। भाजपा संरक्षित अपराधियों ने काला बाजार को खूब बढ़ावा दिया। जहरीली शराब और दवाएं, इंजेक्शन, ऑक्सीजन के सौदागरों ने कमाई की। गरीब की जान सांसत में रही। व्यापारी विरोधी नीतियों से सब तरह त्राहि-त्राहि मची हुई है। पिछले वर्ष घोषित 20 लाख करोड़ के आर्थिक पैकेज से किसी का कोई लाभ नहीं हुआ, इस घोषणा का क्या हुआ कुछ पता नही चला। भाजपा सरकार में छोटे दुकानदारों को धोखा मिला है जबकि चुनिंदा कॉरपोरेट घरानों को सभी सहूलियते देकर उनकी आमदनी दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ाई गई है। भाजपा को गलतफहमी है कि व्यापारी अपने उत्पीड़न के बावजूद भाजपा के साथ रहेगा। व्यापारी समाज जान गया है कि भाजपा छोटे लोगो की नहीं बड़े पूंजी घरानों के हितों का पोषण करने वाली पार्टी है। व्यापारी 2022 में भाजपा को मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी में है यह समाज समझ चुका है कि भाजपा राज में उनकी कोई सुनने वाला नहीं है। छोटे व्यापारियों, दुकानदारों, ठेली पटरी सहित छोटा छोटा कारोबार करने वालों का भरोसा समाजवादी पार्टी पर है।

जब देश आपदा में था, तब सरकार ने कमाए करोड़ रुपयेः प्रियंका गांधी

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाने पर सरकार पर सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए गुरुवार को कहा कि सरकार ने एक साल में गत छह जून तक पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाकर 2.5 लाख करोड़ रुपये कमाये हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि पिछले वर्ष छह जून से इस साल छह जून तक सरकार ने पेट्रोल के दाम 24 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 16 रुपये प्रति लीटर बढ़ा कर ढाई लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का मुनाफा अर्जित किया है। कांग्रेस महासचिव ने फेसबुक पोस्ट में कहा जब देश आपदा में था, लोग आर्थिक संकट झेल रहे थे। तब सरकार ने पेट्रोल डीजल पर टैक्स लगाकर 2.5 लाख करोड़ कमाए। आम लोगों को क्या मिला। उन्होंने पेट्रोल-डीजल के दाम में एक साल में हुई बढ़ोतरी की तुलना करते हुए कहा, ष् छह जून 2020 को प्रति लीटर पेट्रोल का दाम रू 71 रुपये, डीजल का दाम रू 69 रुपये। छह जून 2021 को पेट्रोल का दामरू 95 रुपये, डीजल का दामरू 85 रुपये।

मुख्य सचिव सहित 04 आईएएस पर मैनपावर सप्लाई आरोपों का संज्ञान

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों में मैनपावर आउटसोर्सिंग में भारी भ्रष्टाचार के संबंध में एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर द्वारा की गयी शिकायत का उत्तर प्रदेश सरकार ने संज्ञान लिया है। नूतन ने अपनी शिकायत में अवनी परिधि कंपनी को करार खत्म होने के बाद भी मैनपावर सप्लाई हेतु प्राधिकृत किये जाने तथा ब्लैकलिस्ट होने के बाद भी लगातार काम मिलने तथा मेसर्स हर्ष इंटरप्राइजेज को बदायूं मेडिकल कॉलेज में बिना सरकारी अग्रीमेंट के मैनपावर का काम दिए जाने तथा उसके द्वारा कन्नौज मेडिकल कॉलेज में तमाम अनियमितता किये जाने के आरोप प्रमाणित होने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं होने के आरोप लगाये थे। उन्होंने मुख्य सचिव आर के तिवारी तथा आईएएस अफसर प्रशांत त्रिवेदी, अरविन्द कुमार एवं रजनीश दूबे द्वारा इन दोनों कंपनियों को अनुचित लाभ देने के भी आरोप लगाये थे. उन्होंने अपने आरोपों की पुष्टि के लिए कई अभिलेख भी दिए थे। इन शिकायतों का संज्ञान लेते हुए विशेष सचिव, नियुक्ति विभाग संजय कुमार सिंह ने नूतन को अपनी शिकायतों की शपथपत्र के माध्यम से पुष्टि करने तथा इन शिकायतों के संबंध में सभी आवश्यक साक्ष्य देने के निर्देश दिए, जिसके क्रम में उन्होंने अपना शपथपत्र व साक्ष्य शासन को प्रेषित कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री प्रारंभ

लखनऊ, संवाददाता। यात्री सेवाओं के अंतर्गत अपनी सर्वश्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करने की दिशा में निरंतर संलग्न उत्तर रेलवे,लखनऊ मंडल ने वर्तमान महामारी की समीक्षा करते हुए मंडल रेल प्रबंधक के कुशल एवम दूरदर्शी दिशा निर्देशन में यात्री सुविधाओं को पुनःक्रमबद्ध तरीके से प्रारंभ करने की दिशा में विचार कर निर्णय लेते हुए मंडल के रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफार्म टिकटों की पुनः बिक्री की सुविधा का प्रारंभ आज (13-14 जून) की मध्यरात्रि से करने का निर्णय लिया गया है।इस प्लेटफार्म टिकट का मूल्य 30-रू प्रति व्यक्ति निर्धारित किया गया है,ताकि कोविड 19 पर नियंत्रण रखते हुए केवल आवश्यक यात्रियों का ही स्टेशन एवम प्लेटफार्मों पर आगमन हो तथा अनावश्यक भीड़भाड़ एवम अवांछित व्यक्तियों के प्रवेश पर विराम लगाते हुए बीमारी के संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। मंडल रेल प्रबंधक,लखनऊ ने इस विषय में जानकारी दी कि कोविड 19 की वर्तमान स्थितियों की समीक्षा करते हुए यात्री सुविधा के तहत मंडल पर प्लेटफार्म टिकट के पुनः वितरण की सुविधा प्रारंभ की जा रही है।उन्होंने यह भी बताया कि महामारी का निरंतर आंकलन करते हुए निकट भविष्य में अन्य यात्री सुविधाओं को भी एक सुनियोजित तरीके से प्रारंभ करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

गायत्री जयंती के पर 9 दिवसीय गायत्री मंत्र का जप

लखनऊ, संवाददाता। अखिल विश्व गायत्री परिवार, गायत्री तीर्थ शांतिकुंज के प्रमुख डॉ0 प्रणव पण्ड्या, डॉ0 चिन्मय पण्ड्या, शैलबाला पण्ड्या, शैफाली पण्ड्या के आवाहन पर पूरे विश्व में गायत्री जयंती के पावन अवसर पर 9 दिवसीय गायत्री मंत्र का जप अनुष्ठान प्रारम्भ जिसकी पूर्णाहुति गायत्री यज्ञ के माध्यम से 20 जून को 2021 को होगीं,वैश्विक महामारी कोरोना वाइरस का नाश।भारत भूमि सहित सम्पूर्ण विश्व को कोरोना से मुक्ति मिले। पूरे विश्व में कोविड से मृत्यु हुए लाखों व्यक्तियों की आत्मोउन्नति की प्रार्थना।करोड़ों कोविड से पीड़ित व्यक्तियों के शीध्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना।डाक्टर, नर्स, पुलिस कर्मचारी, प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि, सफाई कर्मचारी एवं प्रशासन अधिकारी जो कोविड से सीधे जुडे हुए हैं जीवन की सुरक्षा एवं उनके परिवार के कल्याण की प्रार्थना। प्राणी मात्र की रक्षा, वातावरण परिशोधन, विश्व सुखशांति समृद्धि विश्व कल्याण हेतु।गायत्री परिवार के मुख्य मीडिया प्रभारी उमानंद शर्मा ने आज यहाँ बताया कि वैश्विक महामारी कोरोना से रक्षा, विश्व में सुख शांति समृद्धि के लिए यह एक अध्यात्मिक प्रयोग है। जब मानव पीड़ा पतन के कष्टों से घिर जाता है तो तीनों लोकों के स्वामी इसी प्रकार प्रार्थना की जाती है इससे पूर्व भी समय-समय पर ऐसे प्रयोग हुए हैं। इस प्रार्थना में मानव जाति, पीड़ा-पतन एवं कष्टों बचे, श्रेष्ठ कार्य करें, सन्मार्ग में चले, त्याग परमार्थ के जीवन को अपनाये, भोग-विलास, अनीति-अधर्म, पाप से बचे, ऐसा आत्मबल जनमानस को मिले इसलिए ऐसा अध्यात्मिक प्रयोग किया जाता है देश की आजादी के समय महर्षि अरविन्द जी ने भी राष्ट्र के लिए कुण्डलनी जागरण का आध्यात्मिक प्रयोग कराया था। श्री शर्मा ने बताया गायत्री शक्तिपीठ, प्रज्ञा मण्डल, महिला मण्डल, युवा मण्डल, प्रबुद्ध वर्ग, सभी संस्थानों के ट्रस्ट के सदस्य, गायत्री परिवार के वरिष्ठ सक्रीय सदस्य अपने-अपने घरों में कोविड-19 प्रोटोकॉल का अनिवार्य रूप से पालन करते हुए। के तहत गायत्री जप एवं यज्ञ सम्पन्न करेगें। श्री शर्मा ने बताया यज्ञ में गायत्री मंत्र से मानव समाज के आत्मबल की उन्नति के लिये, महामृत्युंजय मंत्र से विश्व कल्याण एवं कोविड से पीड़ित के स्वास्थ्य लाभ, रूद्रगायत्री मंत्र से कोविड जैसी महामारी के अनिष्ठनिवारण, नव ग्रहों की अनुकूलता प्राप्त करने प्रतिकूलता प्राप्त करने, पूर्वजों की आत्मोन्नति उनके आशीर्वाद एवं विश्व में करोना से मृतक लाखों लोगों की आत्मोन्नति के लिए, पूरे विश्व को सूर्य की कृपा प्राप्त हो इस भाव से सूर्यगायत्री मंत्र से, यज्ञ में आहूतियां प्रदान की जायेंगी एवं ऋषि सत्ता का आशीर्वाद प्राप्त हो इसके लिए विशेष आहूतियां दी जायेंगीं।

मच्छर जनित बीमारियों से बचाव के लिए दवा वितरण कल से

लखनऊ , संवाददाता। कोरोना संकट गया नहीं और मच्छर नई मुसीबत बनकर आ गया है। कोरोना संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण करने के बाद घनी आबादी वाले प्रदेश में सरकार ने मानसून के मद्देनजर मौसमी और मच्छर जनित बीमारियों से लड़ने की तैयारी कर ली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 15 जून से घर-घर बच्चों को उपयोगी दवाइयों की किट वितरित करने का विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिये सीएचसी और पीएचसी में फीवर क्लीनिक स्थापित कर दिये गये हैं। सर्विलांस को और बेहतर करने में अधिकारी जुटे हैं। इंसेफेलाइटिस और मलेरिया जैसी बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिये गोरखपुर, बस्ती और देवीपाटन मण्डल के साथ-साथ नेपाल से लगे जिलों में खास सावधानी बरतने को भी कहा गया है। दो महीनों में कोरोना संक्रमण की रफ्तार पर अंकुश लगाने के बाद योगी की नजर बरसात के दिनो में होने वाली बीमारियों की रोकथाम पर है और उनके निर्देशों के बाद मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारियों की रोकथाम के इंतजाम तेज हो गये हैं।

सरोजनीनगर के जंगल में मिला युवती का शव, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में पुलिस के सक्रिय रहने के बाद भी महिलाओं के प्रति अपराध कम नहीं हो रहे हैं। यहां के सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के जंगल में 18 वर्ष की युवती का शव मिला है। उसके हाथ तथा पीठ पर चोट के निशान हैं और पास ही शराब की कई बोतलें भी मिली हैं। उसकी शिनाख्त नहीं हुई है, घटनास्थल पर पुलिस के साथ ही फोरेंसिक की टीमें जांच में लगी हैं। राजधानी के सरोजनीनगर थाना के पिपरसंड रोड पर जवाहर नवोदय विद्यालय के सामने जंगल में 18 वर्ष की युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। जंगल में युवती का शव मिलने के बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी।

सरोजनी नगर थाना की टीम के साथ ही डीसीपी सेंट्रल सोमेन वर्मा तथा एडीसीपी चिरंजीव सिन्हा ने भी मौके पर पहुंचकर पड़ताल की। इनके साथ ही डॉग स्क्वायड तथा फॉरेंसिक टीम पड़ताल में जुटी हैं। फिलहाल युवती की शिनाख्त नहीं हो सकी है। ग्रामीण लोगों से भी शव की पहचान करवाई जा रही है। युवती के हाथ तथा पीठ पर कटे के निशान हैं। जगह-जगह पर चोट भी है। उसके गले में दुपट्टा भी फंसा है। माना जा रहा है कि लोगों ने दुष्कर्म के बाद हत्या की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डीसीपी सेंट्रल सोमेन वर्मा ने बताया कि युवती के हाथ तथा पीठ पर चोट के निशान मिले हैं। घटनास्थल के पास मिली शराब की बोतलों के बारे में उन्होंने कहा कि यह जंगल का क्षेत्र है, लोग शराब का सेवन करने के बाद फेंक देते हैं। उन्होंने कहा कि बोतलों की भी फॉरेंसिक जांच करा लेंगे। इस युवती की दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका के बारे में डीसीपी ने कहा कि जांच चल रही है। हम जल्दी ही सारे तथ्यों पर पहुंचेंगे।

कांग्रेस जनता के साथ और भाजपा अडानी के साथः प्रमोद तिवारी

लखनऊ, संवाददाता। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य तथा आउट रीच एण्ड को-ऑर्डिनेशन कमेटी, उत्तर प्रदेश के प्रभारी प्रमोद तिवारी ने कहा है कि ''मोदी हैं तो मुमकिन है''। यह पूरी तरह सच है, कल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी कार्उंसिल ने कोरोना इलाज से जुड़ी 17 वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी कम कर दिया है। जैसे रेमडेसिविर, 12-05, टोकिलिजुमाब, 05-00, इम्पेरिसीन बी 05-00, मेडिकल ग्रेड आक्सीजन 12-05, वेंटिलेटर 12- 05, एवं पल्स ऑक्सीमीटर 12-05,, तथा टेस्टिंग किट 12-05, सेनेटाइजर 18-05 आदि हैं। दूसरी तरफ सरकार की यह भी घोषणा है कि कोरोना की दूसरी लहर पर काबू पा लिया गया है और कोरोना दम तोड़ रहा है, और भारत में मृत्यु दर 1.25: पर पहुँच गयी है, और जब कोरोना दम तोड़ रहा है तो उस समय कोरोना से मुक्ति दिलाने वाली दवाओं के दाम पर जीएसटी घटाई जा रही है, जब कोरोना से जंग अंतिम दौर में है तो उस समय कोरोना से मुक्ति दिलाने वाली दवाओं पर जीएसटी घटाना मोदी सरकार की नीति और नीयति दोनो पर सवाल खड़ा करती है। श्री तिवारी ने कहा है कि जब देश का गरीब तपका, मध्यम वर्गीय और आम आदमी कोरोना से ग्रसित अपने परिवार जनों के लिये दवा, इंजेक्षन एवं ऑक्सीजनखरीद रहा था तो उससे सरकार महंगा ''लगान''वसूल कर रही थी, यदि उस समय इन दवाओं और इंजेक्षन पर कम कर दिया होता तो लाखों जाने बचाई जा सकती थी, या उनका अच्छी तरह से इलाज किया जा सकता था। श्री तिवारी ने कहा कि खुद मोदी जी लोगों से हाथ धोने की अपील कर रहे थे, सेनेटाइजर प्रयोग करने की प्रेरणा दे रहे थे, और एम्बुलेंस से मरीजों को अस्पताल ले जाने की बात कर रहे थे, और टैक्स 28 से 10: किया गया, रेमडेसिविर, इंजेक्षन, दवाओं और ऑक्सीजन आदि में मोदी सरकार का क्रूर और निर्दयी चेहरा स्पष्ट रूप से जनता के सामने आ गया। जब कांग्रेस कह रही थी कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी घटाओ, देश की आम जनता कराह रही थी, तब तो ''मोदी सरकार'' लोगों को मरते हुये देखती रही, और जब दवाओं की जरूरत नही रही तो उसे कम किया जा रहा है। लोकतन्त्र में अवधारणा है कि निर्वाचित सरकार जनहित के बारे में सोचती है किन्तु मोदी सरकार और भा.ज.पा. अपने खजाने के बारे में सोचती है। चाहे देश का गरीब मरे या जिये। श्री तिवारी ने कहा है कि 100 रुपये के पार पेट्रोल की कीमत पहुँचने पर उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मन्त्री का एक हास्यास्पद एवं अतार्किक बयान समाचार पत्रों में छपा है। शायद व्यस्तता के कारण उन्हें समाचार पत्र पढ़ने की एवं अंकतालिका देखने की फुरसत नहीं मिलती, या फिर सत्ता के चश्मे ने उन्हें देखने नहीं दिया। यह विरोध उत्तर प्रदेश व्यापी नहीं बल्कि देश व्यापी था। आज देश के कई हिस्सो में पेट्रोल 100 रुपये से अधिक कीमत पर बिक रहा है। एक बार अध्ययन कर लेते कि पड़ोसी देशों में क्या हालचाल है? उनकी सुलभ जानकारी के लिये बताना चाहता हूँ कि भारत देश के कई हिस्सों में जहाँ पेट्रोल 100 रुपये से अधिक में बिक रहा है, वहीं हमारे पड़ोसी देशों बांग्ला देश, जिसे 1971 में भारत ने पैदा किया वहाँ पेट्रोल 76.41 रुपये प्रतिलीटर- विश्व में 83वाँ स्थान, हमारे छोटी भाई के जैसा नेपाल में पेट्रोल 68.98 रुपये, 63वाँ स्थान, श्रीलंका में 60.26 रुपये प्रतिलीटर 47वाँ स्थान, भूटान में 49.56 रुपये प्रतिलीटर 17वाँ स्थान, और पाकिस्तान, जिसे प्रधानमंत्री और भारतीय जनतापार्टी बार- बार जीभर के गाली देते हैं, वहाँ 51.14 रुपये प्रतिलीटर विश्व में 18वाँ स्थान है।श्री तिवारी ने कहा है कि ये सभी देश पूरी तरह दुनिया की बाजार पर निर्भर करते हैं जो 70 डॉलर प्रति बैरल की दर से कच्चा तेल खरीदते हैं। और इतने में कच्चा तेल मंगाकर उक्त रुपये में ये देश बेंच सकते है तो उसी 70 डालर प्रति बैरल में खरीद कर भारत में पेट्रोल 100 रुपये से अधिक दाम पर क्यों बेचा जा रहा है ? देश की जनता की जेब पर डाका क्यों डाला जा रहा है ? क्योकि ''हम दो- हमारे दो'' के फार्मूले पर मोदी सरकार चल रही है और अडानी जैसे पूँजीपतियों को तिजोरी भरने के लिये उन्हें मुनाफा कमवाने के लिये 100 रुपये से अधिक कीमत पर पेट्रोल भा.ज.पा. बिकवा रही है। विद्वान मन्त्री जी शायद जान बूझकर यह बताना नहीं चाहते किन्तु इतना तो जानते ही होंगे कि पेट्रोल और डीजल के फुटकर मूल्य जहाँ स्थानीय जीएसटी से प्रभावित होते है वहीं उद्गम स्थल से दूरी पर आने वाला खर्च भी इसे प्रभावित करता है। कांग्रेस का विरोध केन्द्रीय उत्पादन कर, जो कई गुना बढ़ा दिया गया है, सहित सेस है। मुख्यतः केन्द्रीय टैक्स। श्री तिवारी ने कहा है कि जब कांग्रेस की सरकार 139 डॉलर प्रति बैरल में कच्चा तेल खरीद कर 60 रुपये से नीचे पेट्रोल और लगभग 45 रुपये में डीजल जनता को सुलभ करा सकते थे तो 70 डालर प्रति बैरल कच्चा तेल खरीद कर मोदी सरकार इसे 105 रुपये प्रति लीटर में क्यों बिकवा रही है।

धर्म गुरुओं ने कोविड प्रभावित बच्चों की देखभाल को बढ़ाया हाथ

❑ लोगों को जागरूक करने की निभाएंगे जिम्मेदारी ❑ वेबिनार के जरिए आयोजित हुआ धर्म गुरु सम्मेलन ❑ जनपद के कई धर्म गुरु हुए शामिल

बांदा, (संवाददाता)। कोरोना प्रभावित बच्चों की सुरक्षा एवं देखभाल के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए अब धर्म गुरु आगे आए हैं। शनिवार को महिला एवं बाल विकास विभाग उत्तर प्रदेश एवं यूनिसेफ के तत्वावधान में आयोजित धर्म गुरु सम्मेलन में धर्म गुरुओं ने कहा कि कोविड प्रभावित बच्चों के बचपन को बचाने के लिए हर व्यक्ति को अपना कर्तव्य निभाना होगा। धर्म गुरुओं ने बच्चों को बाल श्रम से बचाने पर भी जोर दिया। वेबिनार में यूनिसेफ उत्तर प्रदेश की चीफ आफ फील्ड आफिस रूथ लीयनो ने कहा कि कोविड ने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण आदि सब कुछ प्रभावित किया है और जिन बच्चों ने

वेबिनार में शामिल संकट मोचन मंदिर के महंत उमाशंकर दास

महामारी के कारण अपने माता-पिता दोनों अथवा किसी एक को खोया है, उनके लिए यह समय और भी चुनौतीपूर्ण है। ऐसे बच्चों को विशेष देखभाल एवं स्नेह की आवश्यकता है। महिला कल्याण निदेशक मनोज कुमार राय ने कहा कि कोविड प्रभावित बच्चों के लिए सरकार द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना शुरु की गई है। ऐसे किसी भी बच्चे की जानकारी 1098 अथवा 181 पर अवश्य साझा करें और बच्चों को गलत हाथों में पड़ने से रोकने में अपना सहयोग करें। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक लगभग 3000 कोविड प्रभावित बच्चों के विषय में पता चला है जिन्होंने माता पिता में से किसी एक अथवा दोनों को खोया है।

यहां संकट मोचन मंदिर के महंत उमाशंकर दास ने कहा कि महामारी के कारण लोगों में डर का माहौल है। बच्चों के साथ ही बड़े भी अपनों को खोने के बाद मानसिक रूप से परेशान हैं। ऐसे में हमारा दायित्व है कि हम मिल कर ऐसे लोगों की सहायता के लिए सामने आएं। खुटला मोहल्ले के मौलाना हाफिज यासिर ने कहा कि मजहब हमें जरूरतमंदों की मदद करने की सीख देता है। आज जब तमाम मासूम बच्चे अपने माता पिता को खोने के बाद अकेले हो गए हैं तो हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। इस समय ऐसे बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही असली इबादत है। उन्होंने बालश्रम निवारण के लिए भी कदम उठाने पर जोर दिया। वेबिनार में यूनिसेफ जिला समन्वयक फुजैल सिद्दीकी, पंचवटी मंदिर के पुजारी शिव अवतार उपाध्याय सहित अन्य धर्म गुरु शामिल रहे।

जमीनी विवाद में मारपीट दंपति सहित तीन जख्मी

बांदा, (संवाददाता)। बबेरू कोतवाली के पवइया गांव के मजरा भुराने पुरवा निवासी राजपति (35) पत्नी जगप्रसाद का रविवार की सुबह पड़ोसियों से विवाद हो गया। इस पर पड़ोसियों ने राजपति को सब्बल से हमला कर घायल कर दिया। उसे भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला ने बताया कि हमलावर उसके दरवाजे पर कब्जा करने की फिराक में हैं, इसी बात को लेकर मारपीट हो गई। एक अन्य मारपीट की घटना में बिसंडा थाने के दंगलहा पुरवा निवासी लालू (45) पुत्र जगमोहन रविवार की सुबह अपने घर में था, तभी पड़ोसी भुराने यादव समेत एक दर्जन लोग घर में घुस गए और लालू को दबोचकर पीटने लगे। बचाने आई लालू की पत्नी कुसमा (40) को भी पकड़ लिया और दोनो को घर के बाहर घसीट लाए और जमकर मारपीट की। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह से मामले को शांत कराया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों ने बताया कि लोग घर में रहने नहीं दे रहे हैं।

स्वर्ण प्राशनः बच्चों को बनाएगा स्वस्थ

❑ संक्रमण से बचाने को लेकर आयुर्वेद चिकित्सक दे रहे टिप्स ❑ आज शिविर में निःशुल्क दी जाएगी स्वर्ण प्राशन की खुराक

बांदा, (संवाददाता)। कोरोना संक्रमण सभी उम्र के लोगों को प्रभावित कर रहा है। पहली और दूसरी लहर में बुजुर्ग, युवा और महिलाएं इसकी चपेट में आए, अब तीसरी लहर में बच्चों के प्रभावित होने का अंदेशा जताया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग बच्चों को सुरक्षित बनाने को लेकर हर मुकम्मल तैयारी में जुटा हुआ है। इसी को ध्यान में रखते हुए आयुष विभाग बच्चों को निःशुल्क स्वर्ण प्राशन की दवा पिलाने की तैयारियों में जुटा हुआ है। सोमवार (14 जून) को शिविर लगाकर बच्चों को निःशुल्क दवा पिलाई जाएगी। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा. नीरेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर से बच्चों के प्रभावित होने की बात कही जा रही है। इसके लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। ऐलोपैथिक टीकों से पहले आयुर्वेद के जरिए ही बच्चों में इम्युनिटी विकसित की जाती थी। आयुर्वेदिक उपायों से बच्चे के अंदर रोग-प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो जाती थी। इसके साथ ही बच्चे की मेधा शक्ति का विकास भी होता था। आयुष विभाग शिविर के जरिए शून्य से 16 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क दवा पिलाने की तैयारी कर रहा है। सोमवार को मंडी समिति स्थित राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय में सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक ''निःशुल्क स्वर्ण बिन्दु प्राशन शिविर'' में आयुर्वेदिक स्वर्ण बिंदु की दो बूंद पिलाई जाएगी। कार्यक्रम की शुरूआत मंडलायुक्त दिनेश कुमार सिंह करेंगे। शिविर में महिलाओं का भी निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा। पंजीकरण के लिए बच्चे या माता-पिता में से किसी एक का आधार कार्ड लाना आवश्यक होगा। बिना मास्क के प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह यह निःशुल्क शिविर आयोजित किया जाएगा।

स्वर्ण प्राशन में बरतें सावधानियां

बांदा, (संवाददाता)। आयुर्वेदिक चिकित्सक बताते हैं कि स्वर्ण प्राशन का ड्रप पिलाने से आधा घंटा पहले और बाद तक बच्चों को कुछ भी न खिलाएं। यदि बच्चे को उल्टी, दस्त जुकाम या बुखार है तो ऐसी स्थिति में स्वर्ण प्राशन न कराएं।

शारीरिक ही नहीं मानसिक क्षमता भी बढ़ाता है स्वर्ण प्राशन

बांदा, (संवाददाता)। राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय प्रभारी डा. नीरज सोनी ने बताया कि स्वर्ण प्राशन शारीरिक ही नहीं मानसिक क्षमता भी बढ़ाता है। इसके अलावा पाचन शक्ति में सुधार लाता है। बच्चों को दीर्घायु, ओजस्वी व तेजस्वी बनाता है। त्वचा के रंग को सुधार कर निखार लाता है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

थनैल गांव के पास हुई दुर्घटना, परिवार में मातम

बांदा, (संवाददाता)। बाइक से बिसंडा जा रहे युवक को ट्रैक्टर ने सीधी टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार दोनो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। खबर पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनो युवकों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, वहां पर एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। जबकि दूसरे का उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मिली जानकारी के मुताबिक अतर्रा कस्बे के आऊ गांव में रहने वाला कमलेश यादव (35) पुत्र अंशू यादव शनिवार को रिश्तेदार रामभरोसे (25) पुत्र कन्हैयालाल निवासी बिसंडा को बाइक में बैठाकर उसके घर बिसंडा छोड़ने के लिए जा रहा था। बाइक सवार दोनो युवक अभी थनैल गांव के पास ही पहुंचे थे, तभी ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर लगने पर बाइक सवार दोनो लोग घायल हो गए। खबर पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनो घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, वहां पर उपचार के दौरान कमलेश की मौत हो गई। जबकि घायल रामभरोसे का उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम कराया है। मृतक परिजनों का कहना है कि मृतक मेहनत मजदूरी करने के साथ ही खेती किसानी करके भरण पोषण करता था। अचानक हुई इस घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घर में घुसकर अधेड़ महिला से दुष्कर्म का प्रयास

❑ विरोध करने पर महिला को युवक ने जमकर पीटा ❑ बबेरू कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का मामला

बांदा, (संवाददाता)। शनिवार की रात को शर्मनाक घटना को अंजाम देने के लिए पड़ोसी युवक महिला के घर में कूद गया और महिला को सोते समय दबोच लिया। मिली जानकारी के मुताबिक बबेरू कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में 50 वर्षीय महिला अपने घर में सो रही थी। तभी पड़ोस में रहने वाला एक युवक छप्पर फांदकर घर में कूद गया और सोते समय महिला को दबोच लिया। युवक ने महिला से दुष्कर्म का प्रयास किया, लेकिन महिला के विरोध करने पर वह नाकाम रहा और युवक ने महिला की जमकर पिटाई कर दी। मारपीट के दौरान कुंती बेहोश हो गई। महिला के बेहोश होने के बाद युवक चारपाई पर लेट गया। कुंती को जब होश आया तो वह कमरे से बाहर भागी और शोर मचाया। शोर मचाने पर पड़ोसी मौके पर पहुंच गए। मामले की खबर पुलिस को लगी तो मौके पर पहुंचकर आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जबकि घायल महिला को जिला अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

मौरंग खदान के पानी भरे गड्ढे में डूबा युवक, मौत

❑ मरौली खदान खंड तीन का मामला, परिजन बेहाल ❑ मामले की लीपापोती करने में जुटे खदान संचालक और गुर्गे

बांदा, (संवाददाता)। बालू खदान में पोकलैंड मशीन के जरिए किए गए भारी भरकम पानी भरे गड्ढे में खदान का ही कर्मचारी डूब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। खदान कर्मियों ने शव उतराता हुआ देखा तो तत्काल युवक को अस्पताल ले गए, वहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। खदान संचालक और कर्मचारी इस मामले को दबाने के लिए पूरा प्रयास कर रहे हैं, लीपापोती का दौर जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार नरैनी के शिवपुरी इलाके में रहने वाला ओमप्रकाश (24) पुत्र रामेश्वर बालू खदान मरौली खंड-3 में काम करके अपना भरण पोषण करता था। उसे पोकलैंड मशीन चलाने का भी शौक था, इस काम को सीखने का भी युवक प्रयास कर रहा था। बताते हैं कि रविवार दोपहर को वह नहाने के लिए पोकलैंड मशीन से खदान में खोदे गए पानी भरे गड्ढे में गया और नहाने लगा। नहाने के दौरान पता नहीं कैसे ओमप्रकाश पानी भरे गड्ढे की गहराइयों में समा गया। पहले तो बालू खदान में मौजूद कर्मियों ने ध्यान नहीं दिया, लेकिन काफी समय के बाद शव उतराते हुए देखा तो हड़कंप मच गया। आनन-फानन में खदान कर्मचारी युवक को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। वहां पर डाक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। खदान कर्मचारी भी जिला अस्पताल में मौजूद रहे। चिकित्सकों ने शव को मर्च्युरी हाउस में रखववाया है। शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इस घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ट्रेन से गिर जाने पर छात्र की मौत

बांदा, (संवाददाता)। अज्ञात कारणों के चलते घर से बिना बताए निकले छात्र का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा पाया गया। रेलवे कर्मियों ने पुलिस को सूचना दी। परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों ने किसी भी प्रकार का आरोप नहीं लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार जनपद चित्रकूट के पहाड़ी थानांतर्गत गढ़ौली गांव निवासी रामप्रसाद (22) पुत्र शिवभूषण तिवारी कक्षा 12वीं का छात्र था। शनिवार को वह बिना बताए घर से निकल आया। रामप्रसाद ट्रेन में बैठकर कहीं जा रहा था, तभी अतर्रा और खुरहंड रेलवे स्टेशन के बीच में ट्रेन से नीचे गिर जाने के कारण उसकी मौत हो गई। रेल कर्मियों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। वहां से गुजरे लोगों ने देखा तो युवक को पहचान लिया और परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के बड़े भाई उमाशंकर तिवारी ने बताया कि ट्रेन से गिरने पर रामप्रसाद की मौत हुई है।

अवैध शराब के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

चित्रकूट ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल के निर्देशन में अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस ने दो अभियुक्तों को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया।

जिसमें प्रभारी निरीक्षक मारकुण्डी रमेशचन्द्र तथा उनकी टीम आरक्षी विनय कुमार, कृष्ण कुमार, महिला आरक्षी दीपिका सिंह व रूबी द्वारा अभियुक्त दिनेश पुत्र राममिलन निवासी जारोमापी थाना मारकुण्डी को दो लीटर कच्ची शराब, 30 किलो लहन व शराब बनाने के उपकरणों के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामद लहन को मौके पर नष्ट किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना मारकुण्डी में धारा 60 आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया। इसी प्रकार उपनिरीक्षक बलराम सिंह थाना मानिकपुर तथा उनके हमराही आरक्षी पंकज कुमार द्वारा अभियुक्त किशन कोल पुत्र दस्यु कोल निवासी गोविन्द नगर कस्बा व थाना मानिकपुर को 16 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना मानिकपुर में धारा 60 आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत मुकदमा पंजीकृत किया।

वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

चित्रकूट ब्यूरो। संत मदनगोपाल दास महाराज के द्वारा रविवार को जिले के पाह कंजारी रामपुर तरौहा ग्राम में वृक्षारोपण कर ग्रामवासियों को पर्यावरण को सुरक्षित रखने के सूत्रों को बताया गया। साथ ही वृक्षों को सुरक्षित रखने के लिए भी संकल्प लिया गया। वृक्षों में पीपल, अशोक, नीम, जामुन, कटहल, अमरूद, बरगद, नींबू आदि वृक्षों को रोपित किया गया। कार्यक्रम संयोजक विपिन द्विवेदी (बुंदेलखंड प्रभारी केशरिया हिन्दू वाहिनी) ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत पूजन आदि से हुई और रोपित सभी वृक्षों की देखभाल भी की जाएगी ताकि आने वाले समय में वह वृक्ष लोगों को आक्सीजन, फल, छाया आदि प्रदान कर सकें। साथ ही सेल्फी विथ ट्री का शुभारंभ भी महाराज के हाथों से हुआ। ग्राम प्रधान शिवानंद शुक्ला ने बताया कि इस मौके पर पर्यावरण बचाओ अभियान के संस्थापक संत मदनगोपाल दास, सांसद आर के सिंह पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे, जिला महामंत्री अश्वनी अवस्थी, व्यापार मंडल के राष्ट्रीय महामंत्री शानू गुप्ता, विनोद, प्रिंस केशरवानी, निवर्तमान विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष ओमराज तिवारी, धीरेंद्र त्रिपाठी, देवांश पांडेय, रवि नामदेव, केशरिया हिन्दू वाहिनी से जिलाध्यक्ष लवलेश पाण्डेय, ऋतीक मिश्र, दीनबंधु, अमन, कुलदीप, विजय, मलखान, आदर्श मिश्र, दीपक मौर्या, प्रमोद, आनन्द द्विवेदी, छोटका, बड़का, नितिन आदि मौजूद रहे।

फांसी लगाकर युवक ने घर में कर ली आत्महत्या

बांदा, (संवाददाता)। शनिवार की देर शाम एक युवक ने अपने घर में रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने देखा तो उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। आत्महत्या का कारण ज्ञात नहीं हो सका है। खबर पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है। मृतक खेती-किसानी करता था। मिली जानकारी के अनुसार नरैनी कोतवाली क्षेत्र के बरकोला कला मजरा लोधन पुरवा निवासी धर्मराज (32) पुत्र रामसिया ने शनिवार की देर शाम अपने घर में रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिवार के लोगों ने दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई हरकत नहीं हुई। इस पर परिजनों को शक हुआ। परिजनों ने आनन-फानन में किसी तरह से दरवाजा खोला और अंदर जाकर देखा तो शव फंदे पर लटक रहा था। मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक अपने पिता के साथ खेती-किसानी का काम करता था। उसके दो पुत्र और एक बेटी है। आत्महत्या का कारण परिवार के लोग नहीं बता सके।

संतो व जनप्रतिनिधियों ने किया सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ

मानिकपुर, चित्रकूट। भारत सरकार से एनओसी मिलने के बाद लगभग ढाई वर्ष से अवरूद्ध पड़ी मानिकपुर-कल्याणपुर होते हुये धारकुण्डी आश्रम तक जाने वाली सड़क के निर्माण कार्य का रास्ता प्रशस्त हो गया है। भूमिपूजन कर शिला पट्टिका का जनप्रतिनिधियों ने अनावरण किया है।

रविवार को लोनिवि राज्यमंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय ने चार किमी लम्बी धारकुण्डी आश्रम तक जाने वाले सीसी मार्ग निर्माण के लिये वैदिक मंत्रोच्चारणों के बीच भूमि पूजन किया। भूमि पूजन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद आरके सिंह पटेल, मानिकपुर विधायक आनन्द शुक्ला ने भी शिलान्यास कार्यक्रम सम्पादित कराया। भूमिपूजन कार्यक्रम में धारकुण्डी आश्रम के संत वीरेन्द्र महाराज, संजय बाबा, रमाकान्त बाबा की उल्लेखनीय मौजूदगी रही। सभी अतिथियों का लोनिवि के अधिकारियों ने माल्यार्पण व अंगवस्त्र भेटकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन सांसद

प्रतिनिधि शक्ति प्रताप सिंह तोमर ने किया।

लोनिवि राज्यमंत्री ने कहा कि रानीपुर वन्यजीव विहार से लेकर मध्य प्रदेश सीमा तक सड़क बहुत पहले बन गई थी। धारकुण्डी आश्रम तक चार किमी तक की सड़क वन विभाग से एनओसी न मिलने के कारण अवरूद्ध पड़ी थी, जिसके लिये मुख्यमंत्री योगी से उन्होंने और लोनिवि मंत्री, उप मुख्यमंत्री केशव मौर्या ने पैरवी करके एनओसी दिलाने में सफलता पाई। इसके लिये उन्होंने सीएम योगी का आभार जताया। कहा कि अब पर्यटकों को धारकुण्डी आश्रम तक आने जाने में इस सड़क के बन जाने से सहूलियत होगी।

सांसद आरके सिंह पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार में कोई भी मजरा-पुरवा सम्पर्क मार्ग से वंचित नहीं है। चित्रकूट के 80 कोसीय परिधि में सड़कों का जाल भाजपा सरकार में ही बिछाया गया है। चित्रकूट आने जाने वालों को अब कोई दिक्कत नहीं होगी। धारकुण्डी आश्रम प्राकृतिक सौन्दर्य और धार्मिक स्थल है, यहां देश-विदेश से भी पर्यटक आते हैं। इसके लिये उन्होंने सीएम योगी सहित आश्रम के संत-महंतों को भी धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने ढाई वर्ष से रूके कार्य को एनओसी दिलाकर बहाल कराया, इसके लिये हम सब आभारी हैं। लोनिवि के अधिशाषी अभियन्ता अरविन्द कुमार ने सड़क के बारे में जानकारी देकर बताया कि रानीपुर वन्यजीव विहार के अन्दर 19.9 किमी सड़क है। जिसमें 15.9 किमी सड़क पहले बन चुकी है। एनओसी न मिलने के कारण चार किमी सड़क अधूरी पड़ी थी। जनप्रतिनिधियों की पैरवी से इस मार्ग के निर्माण की सारी बाधायें दूर हो गई हैं, अब शेष चार किमी सड़क को हम लोग तीन माह के अन्दर गुणवत्ता के साथ बना देंगें। कार्यक्रम में लोक निर्माण खण्ड के अधिशाषी अभियन्ता अरविन्द कुमार, सहायक अभियन्ता केएस गौतम, बीपी यादव, अवर अभियन्ता अमित कुमार सिंह, सांसद प्रतिनिधि शक्ति प्रताप सिंह तोमर, वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश गौतम, हरिगोपाल मिश्रा, राजकुमार त्रिपाठी, मंत्री पीआरओ पुष्पेन्द्र सिंह, नीरज गर्ग, कल्याणपुर प्रधान विनय मिश्रा, रामपुर प्रधान आनन्द पटेल, पूर्व डीडीसी छोटेलाल, राजकुमार पाल, जियालाल पाल, पुरूषोत्तम अग्रहरि, मनोज तिवारी, संजय मिश्रा पूर्व प्रधान आदि मौजूद रहे।

शोक सभा में कामरेड को दी श्रद्धांजलि

चित्रकूट ब्यूरो। स्वर्गीय कामरेड देवीदयाल यादव की याद में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर ग्राम बारमाफी में श्रृद्धांजलि सभा आयोजित की गई। श्रृद्धांजलि सभा की अध्यक्षता पूर्व विधायक कामरेड रामप्रसाद सिंह ने की। कामरेड रूद्रप्रसाद मिश्र ने कहा कि तमाम उतार चढ़ाव के बावजूद कामरेड देवीदयाल यादव जिला में लाल झंडा लेकर चलते रहे। भाकपा जिला सचिव के पद पर रहकर कामरेड देवीदयाल यादव ने गरीबों और मजलूमों के हक की लड़ाई जीवन के अंतिम समय तक लड़ते रहे। सभा के पूर्व उनके चित्र में उपस्थित लोगों ने पुष्प अर्पित किए। सभा का संचालन कामरेड विनोद पाल एडवोकेट ने किया। सभा को कामरेड ओमप्रकाश सिंह एडवोकेट, कामरेड अमित यादव जिला सचिव भाकपा, कामरेड रविकरन, कामरेड महेंद्र सिंह ने संबोधित किया। आभार व्यक्त करते हुए कामरेड रामप्रसाद सिंह पूर्व विधायक ने कहा कि आज पुनः देश में वामपंथ को मजबूत करने का समय आ गया है।

महाराणा के जीवन प्रसंग हमें हर विपत्ति से लड़ने का हौसला देते हैंः लोकसभ

पराक्रम और पुरुषार्थ का बेजोड़ मेल है महाराणा प्रतापः अभय महाजन

चित्रकूट ब्यूरो। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 481वीं जयंती पर उनके पराक्रम एवं पुरुषार्थ का स्मरण दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा वर्चुअल रूप में नाटिका की माध्यम से लाइव किया गया। इस आयोजन में मेवाड़ शैली के प्रसिद्ध चित्रकार ओमप्रकाश सोनी बिजोलिया द्वारा कैनवास पर रंगों को उकेरकर कथानक रुप में प्रस्तुति दी गई, जिसे मुंबई के प्रसिद्ध संगीत कलाकार मोहित चौहान द्वारा महाराणा प्रताप की गौरव कथा को अपने संगीत के साथ प्रस्तुत किया गया।

इस आयोजन में मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा अध्यक्षता दीनदयाल शोध संस्थान के अध्यक्ष वीरेन्द्रजीत सिंह द्वारा की गई। वर्चुअल रुप में आयोजन का संयोजन करते हुए दीनदयाल शोध संस्थान के प्रधान सचिव अतुल जैन द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उसके बाद प्रख्यात कलाकार मोहित चौहान के संगीत के साथ महाराणा प्रताप की गौरव गाथा को प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का नाम जुबां पर आते ही रग-रग में शौर्य और स्वाभिमान की लहर दौड़ने लगती है। वीरता का भाव जागने लगता है। राष्ट्रप्रेम हिलोरें मारने लगता है। भुजाएं तलवार की मूठ खोजने लगती है। जब याद आता है लंबी चौड़ी कद काठी वाला नीले घोड़े पर सवार हाथ में भाला लिए एक ऐसा शूरवीर जिसके विशाल नयन मानों अपने विरोधी को ढूंढ रहे हों। एक ऐंसा योद्धा जिसकी तनी हुई मूंछें स्वयं उसकी वीरता का बखान कर रही हों। संस्थान के अध्यक्ष वीरेंद्रजीत सिंह ने कहा कि भारतरत्न नानाजी देशमुख ने अपने प्रचारक जीवन में गांव-गांव प्रवास करके वनवासियों के दुख-दर्द को जाना समझा है। बलरामपुर क्षेत्र में थारु वनवासियों ने जब महाराणा प्रताप वन-वन भटक कर अपनी सेना का पुनर्गठन कर रहे थे, उस समय ये जनजातियां महाराणा प्रताप की सेना में प्रशिक्षण ले रही थी। यह जनजातियां आज भी अपने आप को महाराणा प्रताप की प्रजा ही मानती है। इनके प्रेरणा स्रोत महाराणा प्रताप की जयंती को नानाजी ने एक उत्सव का रूप दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि दीनदयाल शोध संस्थान बधाई का पात्र है कि मेवाड़ की धरती से सैकड़ों कोस दूर महाराणा प्रताप की जयंती पर उनके पराक्रम और शौर्य को स्मरण कर रहा है। भारतरत्न नानाजी देशमुख भी पुरुषार्थ की प्रतिमूर्ति थे। आज पूरा देश, दुनिया अत्यंत विकट परिस्थितियों से गुजर रहा है। हम सब भी कितनी दूर-दूर से इस कार्यक्रम से जुड़ पा रहे हैं, टेक्नोलॉजी के चलते सब लोग एक दूसरे से जुड़े हुए हैं, लेकिन फिर भी सामाजिक दूरियां कहीं ना कहीं हम सबको कचोरती है। ऐसी परिस्थितियों में अपने महान पूर्वजों का स्मरण हमें कितना संबल प्रदान करता है। यह हम महाराणा प्रताप के प्रसंगों से समझ सकते हैं।

कोविड प्रभावित बच्चों की देखभाल एवं सुरक्षा के लिए धर्मगुरु आये आगे

❑ महिला एवं बाल विकास विभाग व यूनिसेफके तत्वावधान में वर्चुअल धर्मगुरु सम्मेलन ❑ कोरोना काल में बच्चों को विशेष देखभाल व स्नेह की आवश्यकता ❑ कोविड प्रभावित बच्चों के लिए सरकार ने शुरू की मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना

चित्रकूट ब्यूरो। कोविड 19 से प्रभावित बच्चों की सुरक्षा एवं देखभाल के लिए विभिन्न धर्मगुरुओं ने जनता से अपील की है। महिला एवं बाल विकास विभाग उत्तर प्रदेश एवं यूनिसेफ द्वारा आयोजित धर्मगुरु सम्मेलन में धर्मगुरुओं ने कहा कि कोविड प्रभावित बच्चों के बचपन को बचाने के लिए हर व्यक्ति को अपना कर्तव्य निभाना होगा। धर्मगुरुओं ने बच्चों को बालश्रम से बचाने पर भी जोर दिया।

यूनिसेफ उत्तर प्रदेश की चीफ ऑफ फील्ड ऑफिस रूथ लीयनो ने कहा कि कोविड महामारी से बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण आदि सब कुछ प्रभावित हुआ है और जिन बच्चों ने महामारी के कारण अपने माता-पिता दोनों अथवा किसी एक को खोया है, उनके लिए यह समय और भी चुनौतीपूर्ण है। ऐसे बच्चों को विशेष देखभाल एवं स्नेह की आवश्यकता है। उन्होंने धर्मगुरुओं से टीकाकरण को भी बढ़ावा देने का अनुरोध किया ताकि कोविड-19 से होने वाली मृत्यु कम हों और जल्द ही स्थितियां सामान्य हो सकें। महिला एवं बाल विकास विभाग उत्तर प्रदेश के निदेशक, मनोज कुमार राय ने कहा कि कोविड प्रभावित बच्चों के लिए सरकार द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना की शुरुआत की गई है। हमारा उद्देश्य है कि योजना का लाभ प्रत्येक कोविड प्रभावित बच्चे तक पहुंचे। ऐसे किसी भी बच्चे की जानकारी 1098 अथवा 181 पर अवश्य साझा करें और बच्चों को गलत हाथों में पड़ने से रोकने में अपना सहयोग करें। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक लगभग 3,000 कोविड प्रभावित बच्चों के विषय में पता चला है, जिन्होंने अपने माता-पिता में से किसी एक अथवा दोनों को खोया है। धर्मगुरुओं ने कहा कि महामारी के कारण भय का वातावरण हैं। बच्चों के साथ ही बड़े भी अपनों को खोने के बाद भयभीत हैं और मानसिक रूप से टूट चुके हैं। ऐसे में हमारा दायित्व है कि हम मिलकर ऐसे लोगों की सहायता के लिए सामने आयें। हमें सुनिश्चित करना होगा कि माता-पिता के देहांत के बाद कोई भी बच्चा गलत व्यक्ति अथवा संस्थान के पास न जाए और प्रत्येक प्रभावित बच्चा सरकार द्वारा चलाई जा रही सेवाओं से जुड़ कर लाभ ले सके। हर मजहब हमें जरूरतमंदों की मदद करने की सीख देता है। आज जब तमाम मासूम बच्चे अपने माता-पिता को खोने के बाद अकेले हो गए हैं, तो हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। इस समय ऐसे बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही असली इबादत है। उन्होंने बालश्रम निवारण के लिए भी कदम उठाने पर जोर दिया। सिख समुदाय के संतों ने कहा कि सिख धर्म हमे सिखाता है कि हम हर किसी को अपनेपन की भावना से देखें अतः हर बच्चे को अपना समझें और उसकी रक्षा करें। उन्होंने बताया कि महामारी में गुरुद्वारों द्वारा भोजन, ऑक्सीजन एवं लंगरों के माध्यम से बहुत से लोगों की मदद करने का प्रयास किया है। फादर वरगिस कुन्नाथ रीजनल डाइरेक्टर इंटरफेथ डायलौग ने कहा कि किसी भी समाज और देश की तरक्की के लिए उसके बच्चों का स्वस्थ, शिक्षित और सुरक्षित होना अनिवार्य है। बच्चे ईश्वर का अवतार हैं और आज हमारे देश के बच्चों को हमारी जरूरत है। उनसे प्रेम करें और उनकी सहायता करें। सम्मेलन में एक ओपेन सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसका संचालन यूनिसेफउत्तर प्रदेश के प्रोग्राम मैनेजर अमित महरोत्रा द्वारा किया गया। उन्होंने कोविड महामारी में भ्रांतियों को दूर करने एवं कोविड उपयुक्त व्यवहारों के लिए लोगों को प्रेरित करने में धर्मगुरुओं की भूमिका की सराहना की। सम्मेलन में प्रदेश के 75 जिलों से 800 धर्मगुरुओं ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया एवं अपने समुदाय में कोविड प्रभावित बच्चों के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखने के लिए जनता से अपील की।

पांच अभियुक्तों के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट की कार्यवाही

पहाड़ी, चित्रकूट ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल के निर्देशन में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में प्रभारी निरीक्षक पहाड़ी अवधेश कुमार मिश्रा द्वारा अभियुक्त प्रहलाद पुत्र शिवशरन निवासी बछरन थाना पहाड़ी, शिवा यादव पुत्र रामनरेश यादव निवासी बघौड़ा कोतवाली कर्वी, धीर सिंह उर्फधीरज पुत्र कमलेश निवासी अर्जुनपुर थाना राजापुर, शीलू वर्मा पुत्र कल्लू वर्मा निवासी कसहाई रोड कोतवाली कर्वी तथा धीरज सिंह पुत्र रामभवन सिंह निवासी नांदिन कुर्मियान थाना राजापुर के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही की गयी। अभियुक्तों द्वारा गैंग बनाकर अपराध कर भौतिक एवं आर्थिक लाभ प्राप्त किया जाता था।

अभी दोस्ती को तैयार नहीं पाकिस्तान

इस साल फ़रवरी में भारत और पाकिस्तान की सेनाओं ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर संघर्ष विराम का जो निर्णय किया, उसके सौ दिन पूरे हो चुके हैं। इस दौरान सीमा पर शांति रही। इससे नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास रहने वाले लोगों को बड़ी राहत मिली है। यकीनन यह एक बड़ा बदलाव है, लेकिन एक चीज बिल्कुल भी नहीं बदली और वह है पाकिस्तान द्वारा आतंकी ढांचे को कायम रखना। हमारे सेना प्रमुख जनरल मोहन मुकुंद नरवणे ने हाल में इस तथ्य को पुष्ट किया।

यह यही दर्शाता है कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंक की अपनी नीति को अभी भी छोडने के लिए तैयार नहीं। वह उसके उपयोग को लेकर बस सही बिसात बिछाना चाहता है। जबसे संघर्ष विराम हुआ है, तबसे पाकिस्तान में कुछ महत्वपूर्ण घटनाक्रम हुए हैं और उनसे यही संकेत मिलते हैं कि पाकिस्तानी सैन्य और राजनीतिक वर्ग में भारत नीति को लेकर मतभेद बढ़ते जा रहे हैं। कश्मीर से जुड़े मसलों पर सैन्य और राजनीतिक, दोनों वर्गों का रवैया सख्त है। तथापि कुछ जनरल और नेता भारत के साथ रिश्तों को व्यावहारिक बनाने और व्यापार एवं संपर्क बहाली कर भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाने के इच्छुक हैं, जबकि अन्य अपने पारंपरिक कड़े रवैये पर अड़े हैं। हालांकि सभी आतंकवाद को एक विकल्प के रूप में भी कायम रखना चाहते हैं, जबकि पाकिस्तान को इसकी बड़ी आध्थक कीमत चुकानी पड़ी है।अपने तमाम प्रयासों के बावजूद पाकिस्तान अभी भी एक खतरनाक जगह के रूप में कुख्यात है। वह विदेशी निवेश आर्कषित करने में अक्षम बना हुआ है। इसमेंचीन पाकिस्तार्न आथिक गलियारे (सीपैक) के अंतर्गत चीन से होने वाला निवेश शामिल नहीं है। सीपैक में ग्वादर बंदरगाह का विकास भी शामिल है। भारत के लिए उसके व्यापक सामरिक निहितार्थ हैं। वहीं चीन के लिए सीपैक का आध्थक से कहीं अधिक सामरिक महत्व है। सीपैक पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन कुछ

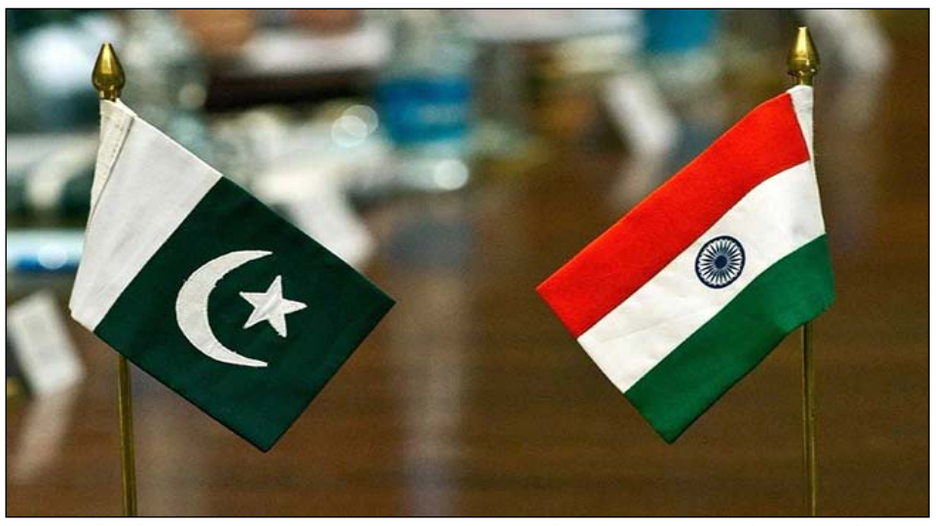

पाकिस्तानियों को लगातार इसकी चिंता सता रही है कि इससे चीन के प्रति उनकी कर्जदारी बढ़ती जाएगी। परिणामस्वरूप पाकिस्तान चीन का और बड़ा पिछलग्गू बनता जाएगा। संघर्ष विराम के करीब महीने भर बाद पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा ने एक महत्वपूर्ण नीतिगत भाषण में कहा था कि पाकिस्तान को अपनी सुरक्षा के लिए आध्थक पहलुओं पर भी विचार करना होगा। उनकी राय थी कि राष्ट्रीय सुरक्षा का दायरा सीमाओं की पारंपरिक सुरक्षा से परे जनता के कल्याण पर भी केंद्रित करना है और यह व्यापार सहित आध्थक सशक्तीकरण से संभव होगा। उन्होंने कनेक्टिविटी की महत्ता भी बताई। विश्लेषकों ने इसे भारत के साथ व्यापार एवं संपर्क बहाल करने में उनकी दिलचस्पी के तौर पर भी देखा। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2019 में जम्मू कश्मीर में संवैधानिक बदलाव करने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ व्यापारिक संबंध एक तरह से खत्म कर लिए। बाजवा के इस भाषण के तुरंत बाद खबरें आई थीं कि पाकिस्तान भारत से चीनी और कपास आयात करना चाहता है। वाणिज्य महकमा खुद ही संभालने वाले प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, लेकिन उन्हें अपनी कैबिनेट में ही इस पर विरोध झेलना पड़ा, जिसकी अगुआई विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के नेतृत्व में कुछ मंत्रियों ने की। पाकिस्तान की राजनीतिक वास्तविकताओं को देखते हुए इन नेताओं को कुछ जनरलों का समर्थन प्राप्त है, जो भारत को लेकर जनरल बाजवा के रवैया से कुपित हैं। उन्हें यह पाकिस्तान की पारंपरिक नीति से विचलन जैसा लगा। इस बीच मीडिया में कुछ बातें लीक हुईं। उनमें यही जिक्र था कि कश्मीर को लेकर पाकिस्तान भारत से क्या अपेक्षा रखता है।

स्वाभाविक रूप से ये विचार कहीं अधिक उदारवादी जनरलों के रवैये से जुड़े थे। तात्कालिक तौर पर पाकिस्तान यही चाहता है कि जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। इस दौरान कुरैशी ने भी कुछ लचीलापन दिखाया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 भले ही भारत का आंतरिक मामला हो, लेकिन कश्मीर एक विवादित मसला था। उनका यह बयान पाकिस्तान के रुख से उलट था। इसकी कड़ी प्रतिक्रिया हुई और कुरैशी को अपने बयान से पलटना पड़ा। तबसे इमरान खान और कुरैशी जम्मू कश्मीर में तथाकथित मानवाधिकारों की स्थिति को लेकर सख्त बयानबाजी में लगे हुए हैं। गत सप्ताह एक साक्षात्कार में इमरान खान ने व्यापार और संपर्क के अलावा वार्ता की गाड़ी को पटरी पर लाने की बात अगस्त 2019 के संवैधानिक कदमों को पलटने के साथ जोड़ी। वह वापस उसी रुख पर आ गए हैं जो पाकिस्तान ने अगस्त 2019 के बाद अपनाया था। बेहतर हो कि बाजवा और इमरान खान वास्तविकता को समझें, न कि शर्तें लादने का काम करें। उनके लिए आवश्यक है कि वह भारत के साथ पुराने अडियल रवैया अपनाने पर आमादा लोगों पर नियंत्रण पाने के साथ ही आतंकी ढांचे का ध्वंस करें।समस्या यह है कि पाकिस्तान की भारत नीति में पाकिस्तानी सेना की सियासत का भी घालमेल हो रहा है। पाकिस्तान के एक प्रख्यात टीवी पत्रकार हामिद मीर ने अपने एक साथी पत्रकार को पिटवाने के मामले में जनरलों पर आरोप लगाते हुए कहा कि भारत को लेकर फौज का रवैया नरम होता जा रहा है। मीर ने यह भी कहा कि ऐसा करके सेना पाकिस्तानी अवाम की इच्छा के विरुद्ध जाने के साथ ही उसके संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की नीतियों से भी विमुख हो रही है। जानकारों का मानना है कि मीर के निशाने पर जनरल फैज हामिद थे, जो खुफिया एजेंसी आइएसआइ के महानिदेशक हैं। ये विश्लेषक यह भी महसूस करते हैं कि मीर को सेना के ही कुछ जनरलों का वरदहस्त प्राप्त है, जो बाजवा के अगले वर्ष समाप्त हो रहे विस्तारित कार्यकाल के बाद फैज के अगले सेना प्रमुख बनने की संभावनाओं पर आघात करना चाहते हैं। जो भी हो, पाकिस्तान के घटनाक्रम पर भारत को कड़ी नजर रखनी होगी। उसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष अपना रुख दोहराना चाहिए कि वह पाकिस्तान से संबंध सुधारने का पक्षधर है, लेकिन तभी जब पाकिस्तान आतंकवाद का परित्याग करे। कुलमिलाकर पाकिस्तान में जारी खींचतान यही दर्शाती है कि वह भारत के साथ बेहतर संबंध बनाने की वास्तविक मंशा प्रकट करने वाला बुनियादी फैसला भी नहीं ले सका है, जो न केवल उसकी जनता, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए पूरे क्षेत्र के हित में होगा।

संपादकीय

अनुभव जन्य ज्ञान की अनदेखी

कौन कहता है कि परंपरा जनित ज्ञान अनुभव जन्य नहीं होता? क्या आज से दो-चार सौ साल से पहले भारत में लोग जीवित नहीं थे? तब क्या यहां के लोगों का ज्ञान शून्य था? आखिर जब तक पश्चिम से कोई ज्ञान न मिले, तब तक हम अपने को छोटा क्यों समझते हैं? बचपन में मां टायफाइड हो जाने पर सौंफ और पुदीने को पानी में उबालकर पीने को देती थी। बहुत से पश्चिमी देशों में भी सौंफ और जीरे का पानी सद्य प्रसूता को पीने के लिए कहा जाता है। हल्दी और अदरक की औषधियों का प्रयोग आज एलोपैथिक डॉक्टर्स भी करते हैं। अक्सर अमेरिका से ऐसी खबरें आती रहती हैं कि वहां उन चीजों का पेटेंट कराया जा रहा है, जिनका इस्तेमाल भारत में सदियों से होता चला आ रहा है। विज्ञान भी अनुभव की बात ही तो करता है। क्लीनिकल ट्रायल इसी को कहते हैं। हमारा अनुभव जन्य ज्ञान ही तो है कि कौन-सी चीज किस चीज के साथ खानी है और किसके साथ नहीं? जैसे कि खीरा खाली पेट नहीं खाना चाहिए। उसके ऊपर पानी नहीं पीना चाहिए। दूध के साथ भी खीरे, ककड़ी, तरबूज, खरबूज का प्रयोग वर्ज्जत है। ऐसी तमाम बातों को परंपरा से लोग जानते आए हैं। नाड़ी देखकर रोग बताने वाले अपने ही यहां रहे हैं, लेकिन आज हमें बताया जा रहा है कि हम लोग घोर अवैज्ञानिक दृष्टि वाले हैं। हमारे यहां की औषधियां, पारंपरिक चिकित्सा प्रविधियां सब बुढिया पुराण हैं, क्योंकि ये सब पश्चिम की वैज्ञानिक तुला पर खरी नहीं उतरी हैं। इस वैज्ञानिक सोच की लाठी में इतना दम है कि वह बिना किसी प्रमाण के अच्छी से अच्छी बात को खारिज कर देती है और कोई उफ भी नहीं करता। शायद इसीलिए गत दिवस मद्रास हाई कोर्ट ने कहा कि बहुत सी चीजें, जिन्हें आज खोजने का दावा किया जा रहा है, उनका हमारी संस्कृति में उल्लेख मिलता है।यह ठीक है कि पश्चिमी चिकित्सा पद्धति में तात्कालिक लाभ के लिए बहुत से इलाज मौजूद हैं, मगर इस बात में भी दो राय नहीं हैं कि बड़ी फार्मा कंपनियों का प्रमुख उद्देश्य मुनाफा कमाना ही होता है। वहां मुफ्त कुछ नहीं है। कोई कह सकता है कि कंपनी चलानी है तो मुनाफा तो कमाना ही होगा। कौन है जो मुनाफा कमाना नहीं चाहता? यह सब सच है, मगर प्राथमिक बात मुनाफे की होती है, उसे जनसेवा के प्रेम में मढ़ा जाता है। इसीलिए आप देखेंगे कि इन दिनों कोई भी वह शोध, जो किसी रोग को जड़-मूल से नष्ट कर सकता है, वह होता ही नहीं, क्योंकि रोग का मतलब है, उससे जुड़ी दवाओं की बिक्री। आदमी एक बार बीमार पड़े और जिंदगी भर दवाएं ही खाता रहे तो ऐसी सोने की मुर्गी और कहां हाथ आ सकती है? अक्सर रोग को नष्ट करने वाले शोधों को पहले तो आध्थक मदद ही नहीं मिलती। मिलती भी है तो वे चूहों तक आते-आते ही खत्म हो जाते हैं। दरअसल मेडिकल माफिया की दिलचस्पी उन दवाओं को बनाने में नहीं है, जिनसे रोगों को समूल नष्ट किया जा सके। डायबिटीज जैसे रोग को खत्म करने वाले शोधों को आगे नहीं बढने दिया जाता, जो एक महामारी की तरह ही है।

जो लोग इस बात का श्रेय लेते हैं कि उन्होंने ही जीवन रक्षक दवाएं बनाई हैं और लोगों की जान बचाते हैं, वे ही बहुत-सी ऐसी दवाएं जो पश्चिम में प्रतिबंधित हैं, उन्हें गरीब देशों में बेचने देते हैं। यदि सरकारें उन्हें लेने से मना करती हैं तो जीवन रक्षक दवाओं की सप्लाई तक बंद करने की धमकी दी जाती है। ये बातें वैज्ञानिक सोच के चमकीले रैपर में कहीं छिप जाती हैं। अब वैज्ञानिक सोच का मतलब बहुतों के लिए अपनी तिजोरी का भरना है। यह मैडम क्यूरी का जमाना नहीं कि उन्होंने रेडियम की अपनी खोज को फ्री में दान कर दिया और व्यापार ने उसका मनमाना उपयोग किया।जो देश आज अपने को प्रगतिशील होने का दावा करते हैं, क्या वे बताएंगे कि उन हथियारों के विकास में मानवता की कौन-सी सेवा है, जिनसे करोड़ों लोगों का जीवन बर्बाद हो जाता है। जब हिरोशिमा-नागासाकी पर बम गिराया गया था और लोग शीशे की तरह पिघल रहे थे, तब बम बनाने वाले इन दृश्यों को देख खुशी मना रहे थे। हम दूर क्यों जाते हैं, अपने यहां ही भोपाल की यूनियन कार्बाइड कंपनी के गैस लीक होने के कारण हजारों लोग मर गए थे। हजारों आज तक तमाम तरह के रोगों से ग्रस्त हैं। तब इस कंपनी के मालिक वारेन एंडरसन ने धमकी दी थी कि क्या भारत को अमेरिका के साथ व्यापार नहीं करना है। रातोंरात उसे यहां से भगा दिया गया था। आज भी उद्योग को वैज्ञानिक सोच और देश की प्रगति के लिए जरूरी माना जाता है, लेकिन इस विकास में मानवता के लिए बहुत-सी मुसीबतें भी छिपी हैं। जैसे कि नदियों की दुर्दशा के लिए बहुत हद तक उनके किनारे लगे उद्योग जिम्मेदार हैं। पर्यावरण के मामले में भी यही सच है। कृषि की पैदावार बढ़ाने के लिए जिन कीटनाशकों को वैज्ञानिकों ने बनाया, उनके इस्तेमाल से धरती की उर्वरा शक्ति ही खत्म नहीं हुई, बल्कि बहुत-से स्थानों पर भूजल भी जहरीला हो गया। आज पंजाब का एक जिला कैंसर जिले के नाम से जाना जाता है। यहां से एक गाड़ी चलती है जिसे कैंसर स्पेशल कहा जाता है। साफ है कि जिस वैज्ञानिक सोच को हमारे समाज के पिछड़ेपन को दूर करने वाला बताया जाता है, वह एक तरह से नए किस्म का अंधविश्वास बन गया है। इस सोच के पीछे बहुत-से लोग अपने पापों को भी छिपा लेते हैं।

देश को चार अभिशापों से मुक्त करेगा रोजगार

भारत वर्तमान समय में चार अभिशापों से जुझ रहा है। इन अभिशापों को कोरोना संक्रमण काल ने आक्सीजन देने का काम किया है। बेरोजगारी, कुपोषण, बाल श्रामिक और गरीबी को जो आंकड़ा वर्तमान समय में सामने आ रहा है वह देश को शर्मशार कर रहा है। इन चारों अभिशापों से मुक्ति के लिए केवल भारत सरकार को रोजगार देने का एक लक्ष्य निर्धारित करना होगा और उसे इन चार अभिशापों से मुक्ति मिल जाएगी। कोरोना काल के दौरान देश में बेरोजगारी का विस्फोटक स्वरूप सामने आया है। चालू वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान 39.52 करोड़ लोग ही रोजगार में थे। पिछले साल की तुलना में इस साल 1 करोड़ कम नौकरियों का अनुमान है। वैसे तो देश में 2011 के बाद गरीबों की गणना नहीं हुई है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के हिसाब से 2019 में देश में करीब 36 करोड़, 40 लाख गरीब थे, जो कुल आबादी का 28 फीसद है। कोरोना के कारण बढ़े गरीबों की तादाद इन गरीबों में जुड़ेगी। दूसरी ओर, शहरी क्षेध्त्रों में रहने वाले लाखों लोग भी गरीबी रेखा से नीचे आ गए हैं। 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 5 से 14 साल के 25.96 करोड़ बच्च्चों में से 1.01 करोड़ बाल श्रम कर रहे हैं. भारत में करीब 43 लाख से ज्यादा बच्चे बाल

मजदूरी करते हुए पाए गए हैं. यूनिसेफ के मुताबिक, दुनियाभर के कुल बाल मजदूरों में 12 फीसदी की हिस्सेदारी अकेले भारत की है। इसके बाद अगर हम कुपोषण के मामले में चर्चा करे तो 107 देशों में से केवल 13 देश ही कुपोषण के मामले में भारत से खराब स्थिति में दर्शाए गए हैं। वर्ष 2019 में भारत 117 देशों की सूची में 102वें स्थान पर था, जबकि 2018 में 103वें स्थान पर था। इस सूचकांक के साथ जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत की 14 प्रतिशत आबादी अल्पपोषित है एवं बच्चों में बौनेपन की दर 37.4 प्रतिशत है।अब जबकि देश एक बार फिर अनलॉक हो चुका है तो मजदूरों और कामगारों का समूह गॉव देहात से शहरों की तरफ निकल चुका है। बसों की भीड़ और ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची इसका प्रमाण है कि लोगों बिना रोजगार के बिन पानी मछली की तरह तड़प रहा है। कोरोना के कहर ने न केवल उनके सपनों को बेपरदा कर दिया है, बल्कि 'ग्राम-स्वराज' की उस अवधारणा को खत्म कर दिया है। इसका प्रमाण गत दिवस प्रधानमंत्री की उस घोषणा से अच्छी तरह से लगाया जा सकता है कि देश की कुल आबादी की आधी से अधिक संख्या गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रही है। केंद्र और राज्य सरकारों ने लगभग 80 करोड़ लोगों तक मुफ्त राशन और थोड़ी-बहुत रकम पहुंचाई, पर इंसान को भोजन के साथ काम भी चाहिए। ऐसे में महानगरों की ओर लौटने को लालायित हजारों लोग साबूत है। अब प्रश्न यह कि क्या काम पर वापस पहुंच जाने भर से उनकी समस्याएं समाप्त हो जाएंगी ? महामारी ने लोगों की जेबें खाली कर दी हैं। बाजार खुल गए हैं, पर वहां सन्नाटा पसरा पड़ा है। कारखानों का उत्पादन बाधित है। इसका असर रोजगार और वेतन के भुगतान पर पड़ना स्वाभाविक है। ऑक्सफेम के पिछले साल प्रकाशित हुए शोध के एक बड़ी कंपनी का सीईओ 10 मिनट में जितना कमाता है, वह घरों में काम करने वाली एक महिला की सालाना आमदनी के बराबर होता है। विश्व बैंक की पिछले हफ्ते जारी रिपोर्ट कहती है कि कोरोना की वजह से यह आर्थिक खाई और चौड़ी होगी। इस साल की शुरुआत तक महामारी के कारण लगभग 12.5 करोड़ नए लोग गरीबी रेखा के नीचे चले गए। यह संख्या 1.9 डॉलर से कम में रोजाना गुजर-बसर करने वालों की है। भारत में तो 32 रुपये से अधिक रोजाना खर्च करने वालों को गरीबी रेखा के नीचे नहीं गिनते। जबकि अमेरिका में रोजाना 14 डॉलर से कम खर्च करने वाले निर्धन माने जाते हैं। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के अध्ययन के अनुसार, 23 करोड़ भारतीय अब तक इस शर्मसार कर देने वाली रेखा से नीचे जा चुके हैं। भारत में 1990 से कोरोना का कहर बरपा होने तक भारत ने लगभग 30 करोड़ लोगों को आर्थिक दुर्बलता उबार गया था लेकिन कोरोना संक्रमण ने इस पर पानी फेर दिया है। स्पष्ट है, महामारी के बाद की दुनिया को अपना रंग-रोगन बदलना ही होगा। हर महामारी और महायुद्ध के बाद ऐसा ही होता आया है। पहले विश्व युद्ध ने राजतंत्रों की विदाई का रास्ता साफकिया था। ऐसे में अगर भारत सरकार की बहुतायत आबादी को रोटी कपड़ा और मकान देने का श्रेय लेकर देश को बेरोजगारी, बालश्रम, गरीबी और कुपोषण जैसे अभिशाप से मुक्त करना चाहती है तो उसे देश में वास्तविक रोजगार के अधिकाधिक अवसर देने होगे। किसानों को राहत राशि, बेरोजगारों और गरीबों को सहयोग राशि आदि से अब देश का भला नही होने वाला, अन्न वितरण आदि योजना भी बिचौलियों से बच नही पाती इस लिए ऐसी योजनाओं को छोड़कर उसे पढ़े लिखे बेरोजगारों के साथ, तकनीकि ज्ञान वाले, ग्रामीण मजदूरों और शहरी कामगारों को उनकी क्षमता के अनुसार रोजगार का सृजन करना होगा। फौरी तौर पर सरकार जो कदम उठा रही है उनका लाभ क्षणिक साबित होगा। निश्चित तौर से रोजगार के अवसर सृजन करना एक कठिन लक्ष्य होगा लेकिन अगर केन्द्र की सरकार और राज्य सरकारें 75 प्रतिशत बेरोजगारी दूर करने में सफल होती है तो निश्चित ही देश कई अभिशपों से मुक्ति पाएगा।

कांग्रेस की कमजोर कड़ी

जितिन प्रसाद भाजपा के लिए कितना उपयोगी होंगे, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इतना जरूर है कि उनके जाने से कांग्रेस अवश्य कमजोर होगी। कांग्रेस के युवा नेता जितिन प्रसाद ने आखिरकार भाजपा का दामन थाम ही लिया। उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण नेता की पहचान रखने वाले जितिन एक रसूखदार राजनीतिक परिवार से संबंध रखते हैं। उनके पिता जितेंद्र प्रसाद, जो गांधी परिवार के नजदीक थे, कद्दावर नेताओं में गिने जाते थे। जितिन मनमोहन सरकार में मंत्री पद पर रहे और राहुल गांधी के करीबी समझे जाते थे। उनकी गिनती ज्योतिरादित्य सिंधिया, सचिन पायलट एवं मिलिंद देवरा के साथ होती थी। पिछले वर्ष सिंधिया भाजपा में आए और अब जितिन ने भी उनकी राह पकड़ी। उनके भाजपा में शामिल होने की चर्चाएं एक अरसे से चल रही थीं। सचिन पायलट के बार में भी समय-समय पर यह कहा जाता है कि वह भाजपा के साथ जा सकते हैं।जितिन प्रसाद के भाजपा में शामिल होने पर गांधी परिवार की तरफ से तो कोई टिप्पणी नहीं आई, लेकिन वीरप्पा मोइली, मल्लिकार्जुन खरगे और कपिल सिब्बल आदि ने अवश्य अपनी प्रतिक्रिया दी है। इन्होंने कुल मिलाकर जितिन को एक नाकाम नेता बताया है। वह बंगाल के प्रभारी थे और वहां कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली, लेकिन इसके लिए केवल उन्हें दोष नहीं दिया जा सकता। यह कहना सही नहीं होगा कि बंगाल में वाम दलों से मिलकर चुनाव लडने और मौलाना अब्बास सिद्दीकी से तालमेल करने के पीछे जितिन थे। यह सब तो शीर्ष स्तर पर तय हुआ होगा। यह भी ध्यान रहे कि राहुल गांधी बंगाल प्रचार करने तब गए, जब कई चरणों का मतदान हो चुका था। आखिर ऐसे में जितिन कर ही क्या सकते थे? माना जाता है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस की बागडोर जबसे प्रियंका गांधी के हाथ आई, तबसे जितिन हाशिये पर चले गए थे। कांग्रेस ने यूपी की कमान अजय कुमार लल्लू को दे दी और जितिन हाथ मलते रह गए। शायद तभी उनका मोहभंग हो गया था। उनके भाजपा में जाने के बाद कांग्रेस के नेताओं की ओर से यह कहा जा रहा है कि वह लगातार चुनाव हार रहे थे। यह सही है, लेकिन आखिर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की ओर से जीत ही कौन रहा था? सच तो यह है कि खुद राहुल गांधी भी अमेठी से चुनाव हार गए थे। यदि जितिन इस नतीजे पर पहुंचे कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का कोई प्रभाव नहीं बचा है और उसकी जड़ें सूखती जा रही हैं तो इस पर हैरानी नहीं। राज्य में कांग्रेस की हालत वास्तव में दयनीय है। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में भी अपना रसूख खोती जा रही है। यह ठीक है कि उसके पास अभी भी एक पुराना वोट बैंक है, लेकिन वह लगातार सिकुड़ता जा रहा है और इसी कारण विधानसभाओं से लेकर लोकसभा में उसका संख्याबल कम होता जा रहा है। लोकसभा में दूसरी बार भी वह विपक्ष का दर्जा हासिल करने लायक सांसद नहीं जिता सकी। राज्यों में उसकी कमजोरी के कारण ही उसके दिग्गज नेता राज्यसभा में नहीं जा पा रहे हैं।

जितिन प्रसाद के भाजपा में जाने के बाद कपिल सिब्बल समेत कई नेताओं ने कांग्रेस में बदलाव की भी बात कही है। ऐसा पहली बार नहीं कहा जा रहा है, लेकिन किसी तरह का बदलाव होता हुआ दिख नहीं रहा है। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद जब राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था, तब सोनिया गांधी अंतरिम अध्यक्ष बनी थीं। माना गया था कि जल्द ही कांग्रेस को नया अध्यक्ष मिलेगा, लेकिन यह इंतजार लंबा खिंचता जा रहा है और दूसरी ओर राहुल पर्दे के पीछे से पार्टी चला रहे हैं। लगता है कि गांधी परिवार को यही व्यवस्था रास आ रही है। जो भी हो, जितिन का भाजपा में जाना राहुल की विफलता है। कांग्रेस और गांधी परिवार लगभग पर्यायवाची हैं। कभी यह स्थिति कांग्रेस के लिए अनुकूल थी, लेकिन आज प्रतिकूल नजर आती है। राहुल के साथ-साथ प्रियंका गांधी की राजनीति का मकसद गरीबी को महिमामंडित करना और मोदी को नीचा दिखाना भर रह गया लगता है। कांग्रेस के दूसरी पंक्ति के नेताओं को यह लगता है कि ये दोनों नाकाम हैं और सरकार चलाने और सदन की राजनीति करने का कोई अनुभव न होने के कारण सतही राजनीति कर रहे हैं। इन नेताओं को यह भी लगता है कि राहुल और

प्रियंका चाटुकारों से घिर गए हैं और उनकी राजनीति केवल ट्विटर तक सीमित होकर रह गई है। कांग्रेस नेताओं के इस निष्कर्ष से असहमत होना कठिन है, क्योंकि राहुल और प्रियंका कहीं कोई ठोस विमर्श खड़ा नहीं कर पा रहे हैं।

जितिन प्रसाद बिना किसी महत्वाकांक्षा के भाजपा में आए होंगे, यह कहना कठिन है। खतरा इस बात का है कि बाहर से आए नेताओं की महत्वाकांक्षा पूरी करने के फेर में भाजपा कहीं अपने दिग्गज नेताओं की अनदेखी न करने लगे? अगर ऐसा हुआ तो भाजपा को नुकसान उठाना पड़ सकता है। हाल के समय में भाजपा ने दूसरे दलों के कई नेताओं को अपने साथ जोड़ा है। बंगाल में उसने मुकुल राय से लेकर सुवेंदु अधिकारी तक को जोड़ा, लेकिन गत दिवस मुकुल फिर से तृणमूल कांग्रेस में लौट गए। भाजपा को सोचना होगा कि अलग विचारधारा से आए लोगों को अपने साथ जोडने से क्या हासिल हो रहा है? ऐसे नेताओं को भाजपा से तालमेल बैठाने में समय लगता है। भाजपा को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि आजकल के नेताओं में ओहदा पाने की लालसा अधिक रहती है और जन सेवा की कम। जितिन भाजपा के लिए कितना उपयोगी होंगे, यह तो समय ही बताएगा, पर इतना जरूर है कि उनके जाने से कांग्रेस अवश्य कमजोर होगी। जितिन प्रसाद के भाजपा में जाने और मुकुल राय के तृणमूल कांग्रेस में लौट जाने से भारतीय राजनीति का आयाराम-गयाराम चरित्र फिर से उजागर हुआ है। इससे यह भी पता चलता है कि नेताओं के लिए विचारधारा का कोई महत्व नहीं रह गया है। राजनीतिक दलों में आवाजाही के पीछे एक बड़ी वजह दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है। नेता अक्सर ऊपर से थोप दिए जाते हैं। नेताओं के चयन में चुनाव प्रक्रिया का सहारा मुश्किल से ही लिया जाता है और यदि कभी लिया भी जाता है तो दिखावे के तौर पर। जब तक यह स्थिति रहेगी, नेताओं के पालाबदल पर रोक लगने वाली नहीं।

करीना कपूर खान के बॉयकॉट की उठी मांग

करीना कपूर खान को लेकर लोग गुस्से में हैं. ट्विटर पर करीना कपूर खान को बॉयकॉट करने की मांग उठी है. अब करीना को बॉयकॉट की मांग क्यों उठ रही है इसकी वजह है हाल ही में आई उनसे जुड़ी एक खबर. दरअसल, कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि करीना कपूर ने सीता का किरदार निभाने के लिए 12 करोड़ रुपये की मांग की है. अब इस खबर को पढ़ने के बाद यूजर्स काफी गुस्से में हैं और वे इस खबर के स्क्रीनशॉट्स को शेयर करते हुए करीना को बॉयकॉट की मांग कर रहे हैं. यूजर्स कमेंट कर रहे हैं कि करीना को अब सीता का किरदार नहीं निभाना चाहिए. ट्विटर पर हैशटैग बॉयकॉट करीना कपूर खान ट्रेंड हो रहा है. रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म के राइटर के वी विजेंद्र प्रसाद ने इन खबरों पर अपना रिएक्शन दिया था. उन्होंने इस खबर को गलत बताया था. उन्होंने कहा था कि करीना को फिल्म ऑफर नहीं हुई है. वहीं खबर ये भी थी कि करीना इस फिल्म के लिए परफेक्ट नहीं है तो ये खबर झूठी है. अब फिल्म के राइटर ने तो इस खबर को गलत बता दिया था, लेकिन यूजर्स इस बात को सुनकर काफी गुस्से में हैं और करीना पर भड़क रहे हैं. वैसे खबर ये बी है कि इस फिल्म में रावण के किरदार के लिए रणवीर सिंह को ऑफर किया गया है. हालांकि इस बारे में कोई ऑफिशयल कमेंट नहीं किया गया है

रणवीर और आलिया अभिनीत करण जौहर की अगली फिल्म का नाम होगा प्रेम कहानी

रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की जोड़ी को दर्शक काफी पसंद करते हैं। फिल्म गली बॉय की अपार सफलता के बाद रणवीर और आलिया को एक हिट जोड़ी का खिताब मिल चुका है। काफी समय से करण जौहर की आगामी रोमांटिक फिल्म को लेकर ये दोनों कलाकार चर्चा में हैं। अब इस फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। खबरों की मानें तो रणवीर और आलिया की इस रोमांटिक फिल्म का टाइटल प्रेम कहानी रखा गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, रणवीर और आलिया करण की जिस रोमांटिक फिल्म को लेकर चर्चा में थे, उसका शीर्षक प्रेम कहानी रखा गया है। एक सूत्र ने कहा, मेकर्स काफी समय से फिल्म के लिए एक अच्छे शीर्षक की तलाश में थे। अब फिल्म का टाइटल प्रेम कहानी तय किया गया है। फिल्म एक प्रेम कहानी पर आधारित होगी, जिसमें दो विपरीत पात्रों की कहानी को पर्दे पर फिल्माने की कोशिश की जाएगी।

सूत्र ने बाताया कि इस फिल्म में दर्शकों को पुराने करण की झलक मिलेगी। करण अपनी फिल्मों में रिश्तों और खुशियों की एक अच्छी कहानी बुनने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म की तैयारी का काम जोर-सोर से शुरू हो चुका है। बताया जा रहा है कि फिल्म की टीम ने पटकथा और डायलॉग को लिख कर पूरा कर लिया है। सूत्र ने बताया कि पहले फिल्म के क्रू-मेंबर्स का टीकाकरण कराया जाएगा, जिससे कि काम में बाधा न पहुंचे।

सेट डिजाइनिंग और फिल्म के अन्य पहलुओं पर काम प्रगति पर है। फिल्म के लिए म्यूजिक सेटिंग का काम शुरू हो चुका है। रोमांटिक फिल्म को देखते हुए इसमें अच्छा संगीत देना होगा। इस फिल्म के साथ करण चार साल बाद निर्देशन के क्षेत्र में वापसी करने वाले हैं।

संजय लीला भंसाली की फिल्म में नजर आ सकती हैं नुसरत भरूचा

अभिनेत्री नुसरत भरूचा के पास इन दिनों फिल्मों की कमी नहीं है। उनके पास फिलहाल एक से बढ़कर एक फिल्में हैं। अब एक और फिल्म उनके खाते से जुडऩे जा रही है। सुनने में आ रहा है कि नुसरत अब बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ अभिनय की पारी शुरू कर सकती हैं। अब यह खबर सुन उनके प्रशंसक बेशक फूले नहीं समाएंगे। आइए जानते हैं नुसरत और भंसाली की फिल्म को हवा कैसी मिली।

नुसरत अब भंसाली के खेमे में शामिल हो सकती हैं। दरअसल, हाल ही में उन्हें भंसाली के जुहू स्थित ऑफिस के बाहर देखा गया। इसके बाद उनके साथ आने को लेकर सुगबुगुहाट शुरू हो गई। उन्हें वहां देखने के बाद सोशल मीडिया पर प्रशंसक कयास लगाने लगे हैं कि नुसरत और भंसाली साथ काम करने वाले हैं। हालांकि, अभी इस पर भंसाली और नुसरत की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

नुसरत ने फिल्म जय संतोषी मां से बॉलीवुड में कदम रखा था। 2011 में रिलीज हुई प्यार का पंचनामा बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। यह फिल्म उनके लिए फायदेमंद साबित हुई और इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। प्यार का पंचनामा 2, सोनू के टीटू की स्वीटी और ड्रीम गर्ल में भी नुसरत ने बतौर लीड एक्ट्रेस काम किया। हाल ही में उन्हें फिल्म अजीब दास्तांस में देखा गया था। नुसरत आजकल फिल्म जनहित में जारी को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोर रही हैं।

अमृता राव ने शुरू किया काम

फिल्म विवाह से सुर्खियां बटोरने वाली अमृता राव को भला कौन नहीं जानता। उन्होंने कई फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज करायी है। भले ही शादी के बंधन में बंधने के बाद अमृता की फिल्मों में सक्रियता कम हुई। इसके बावजूद दर्शकों के दिलों पर वह अभी भी राज करती हैं। अमृता ने पिछले साल एक बेटे को जन्म दिया था। अब उन्होंने अपनी डिलीवरी के सात महीने बाद एक कमर्शियल प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू की है।

अमृता अब अपना फोकस करियर पर देना चाहती हैं। खबरों की मानें तो इस कमर्शियल प्रोजेक्ट की शूटिंग के दौरान काफी एहतियात बरता गया था। मेकर्स ने काफी कम क्रू-मेंबर्स के साथ विज्ञापन को शूट करने का निर्णय लिया था। अमृता ने इस प्रोजेक्ट की शूटिंग पांच क्रू-मेंबर्स की मौजूदगी में की है। यह अमृता के लिए काफी रोमांचकारी अनुभव रहा है। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट की शूटिंग के दौरान पूरी यूनिट ओटीटी किट में थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन पांच सदस्यों वाली क्रू-मेंबर्स का कोरोना वायरस टेस्ट करवाया गया था और सभी की जांच रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही इस प्रोजेक्ट को फिल्माया गया है।

वीर सावरकर के बायोपिक के लिए आयुष्मान, राजकुमार और रणदीप के नाम की हो रही चर्चा

बॉलीवुड में स्वतंत्रता सेनानियों पर फिल्में बनती रही हैं. लोगों में इस तरह की फिल्मों को लेकर खास तरह का क्रेज भी देखा गया है. अब स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर पर बायोपिक बनने जा रही है. बायोपिक का नाम है- स्वातंत्र्यवीर सावरकर. इसमें लीड रोल के लिए एक्टर का चयन होना बाकी है. खबरों की मानें तो फिल्म निर्माता संदीप सिंह तीन नामों पर विचार कर रहे हैं. आयुष्मान खुराना, रणदीप हुड्डा और राजकुमार राव में से किसी एक को इस रोल के लिए चुना जाएगा. फिल्म के लिए तीनों ही एक्टर मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं. यह तीनों एक्टर कैरेक्टर में ढलने में माहिर हैं और फीजिकल ट्रांसफॉर्मेशन के लिए तैयार रहते हैं. रणदीप हुड्डा ने फिल्म सरबजीत के लिए खुद में काफी बदलाव किया था. रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने तब सिर्फ 20 दिनों में 18 किलो वजन कम किया था. राजकुमार राव और आयुष्मान खुराना भी अपने कैरेक्टर में ढलने के लिए कुछ इसी तरह की मेहनत और प्रयोग के लिए जाने जाते हैं. रिपोर्ट्स के अनुसार, आयुष्मान को वीर सावरकर के रोल के लिए सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है. ऐसी खबरें हैं कि यह फिल्म अंडमान, लंदन और महाराष्ट्र में शूट की जाएगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायोपिक बना चुके निर्माता संदीप सिंह वीर सावरकर की बायोपिक बनाने के लिए तैयार हैं.

आदिपुरूष के बाद गे लवस्टोरी फिल्म में नजर आएंगे सनी सिंह

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सनी सिंह आने वाले दिनों में कई फिल्मों में नजर आने वाले है। जिसमे उनकी फिल्म आदिपुरूष भी शामिल है। इस फिल्म में अभिनेता सनी सिंह लक्ष्मण का किरदार निभाते हुए नजर आने वाले है। इसके अलावा सनी सिंह को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जिसमे ये कहा जा रहा है कि अभिनेता सनी सिंह आने वाले दिनों में एक गे लवस्टोरी पर आधारित फिल्म में काम करने वाले है। फिल्म का निर्देशन हार्दिक गज्जर करने वाले है। फिल्म में सनी सिंह के अलावा बाकी स्टार कास्ट क्या होगी इसके बारे में अभी खुलासा नहीं किया गया है। लेकिन उम्मीद की जा रही हैं कि जल्द ही फिल्म का ऐलान मेकर्स की तरफ से किया जाएगा।

सनी सिंह की गे लव स्टोरी पर आधारित फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। ना ही फिल्म के टाइटल का खुलासा हो पाया है। बता दें कि सनी सिंह से पहले बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता आयुष्मान खुराना ने भी इससे पहले फिल्म शुभ मंगल ज्यादा सावधान में एक गे का किरदार निभाते हुए नजर आए थे। अब सनी सिंह भी आयुष्मान खुराना की राह पर चल रहे है। आयुष्मान की फिल्म साल 2020 में रिलीज की गई थी। खैर अब ये देखना है कि सनी सिंह की फिल्म का आयुष्मान खुराना से ज्यादा दमदार होती है या नहीं।

अगर हम बात करें सनी सिंह के काम की तो वो आने वाले दिनों में और भी कई फिल्मों में दिखाई देने वाले है। जिसमे आदिपुरूष शामिल है। इस फिल्म में सनी सिंह जहां लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले है। वहीं प्रभास भगवान राम, कृति सेनन माता सीता और सैफ अली खान रावण के रोल में दिखाई देंगे। फिल्म की शूटिंग काफी समय पहले ही शुरू कर दी है। इसका निर्देशन ओम राउत कर रहे है।

टाइगर श्रॉफ और तारा सुतारिया जुलाई में जाएंगे रूस, शूट करेंगे जबरदस्त एक्शन सीन

टाइगर श्रॉफ की फिल्म हीरोपंती 2 का फैंस को बेसब्री से इंतजार है. टाइगर और कृति सेनन की पहली फिल्म हीरोपंती की सफलता के बाद इस फिल्म का सीक्वल लाने की अनाउंसमेंट की गई थी. अहमद खान के डायरेक्शन में बन रही फिल्म हीरोपंती 2 का पहला शेड्यूल मुंबई में खत्म हो चुका है. अब इस फिल्म का दूसरा शेड्यूल रूस में शूट होने वाला है.

टाइगर श्रॉफ, तारा सुतारिया और नवाजुद्दीन सिद्दीकी हीरोपंती 2 की पूरी टीम के साथ जुलाई में मॉस्को जाने वाले हैं. रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को और सेंट पीटरबर्ग में फिल्म का मेजर एक्शन सीक्वेंस शूट होने वाला है. टीम परफेक्ट लोकेशन की तलाश कर रही है जिसे लोकल टीम के साथ शूट किया जाएगा.

रिपोर्ट के मुताबिक साजिद नाडियाडवाला चाहते हैं कि रशिया जाने से पहले सभी क्रू मेंबर वैक्सीनेट हो जाए. हीरोपंती 2 का पहला शेड्यूल खत्म हो चुका है. सेट से टाइगर की तस्वीर वायरल हुई थी. जिसमें वह ब्लैक सूट में नजर आए थे. टाइगर ने भी हीरोपंती 2 का पहला शेड्यूल खत्म होने पर सेट से अपनी तस्वीरें शेयर की थी.

हीरोपंती 2 में टाइगर श्रॉफ के साथ तारा सुतारिया नजर आने वाली हैं. दोनों पहले भी साथ में स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 में साथ में काम कर चुके हैं. हीरोपंती 2 को साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं. इस फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान देने वाले हैं. आपको बता दें पहले इस फिल्म के लिए सारा अली खान को फाइनल किया गया था लेकिन बाद में उन्हें तारा सुतारिया से रिप्लेस किया गया था.

टाइगर श्रॉफ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं. उन्होंने हाल ही में अपनी शर्टलेस तस्वीर शेयर की थी. जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. टाइगर ने फोटो शेयर करते हुए लिखा था- संडे, सेल्फटॉक. इस फोटो को 10 लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं. टाइगर की इस तस्वीर पर कई बॉलीवुड सेलेब्स ने कमेंट किए हैं.

वर्कफ्रंट की बात करें तो टाइगर श्रॉफ हीरोपंती 2 के अलावा गणपत में नजर आने वाले हैं. इस फिल्म में वह कृति सेनन के साथ नजर आने वाले हैं. इस फिल्म में टाइगर के साथ कृति भी एक्शन करती नजर आने वाली हैं. हीरोपंती के बाद दोनों साथ में इस फिल्म में काम करने जा रहे हैं

बैठे-बैठे बेडौल हो रहे हैं, तो व्यायाम करें और पौष्टिक आहार लें

कोरोना काल में वज़न बढ़ने की समस्या सामने आ रही है। इसने बचने की अहम वजहों में से एक तो मोटापे से जुड़े रोग हैं, जैसे उच्च रक्तचाप और मधुमेह, वहीं यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमज़ोर करने का कारण भी बनता है। यह भी देखा गया है कि स्थूलकाय लोगों को कोरोना संक्रमण से ठीक होने में अधिक समय व परेशानी का सामना करना पड़ा है। सो, बढ़ते वज़न को कम करना कॉस्मैटिक से ज़्यादा मेडिकली ज़्यादा ज़रूरी है। वज़न को नियंत्रित रखने या कम करने में दो मुख्य तरीके कारगर हैं- व्यायाम और आहार।

चूंकि, तेज़ चहलकदमी अच्छा व्यायाम होते हुए भी बाहर निकलने की आवश्यक बंदिशों के चलते इस दौर में नहीं किया जा सकता, सो घर पर ही व्यायाम करना एकमात्र लेकिन ज़रूरी रास्ता है। व्यायाम को लेकर नियमित व सर्तक रहें। ऐसे कई वीडियो आपको ऑनलाइन मिल जाएंगे, जो एक ही जगह पर खड़े रहते हुए भी 40-45 मिनट तक के ऐसे व्यायाम करने में मदद कर देंगे, जिनमें चलना, हाथ-पैरों के पीटी जैसे स्टेप्स, स्ट्रेचिंग करना शामिल होंगे। इनसे खड़े रहकर हार्ट रेट भी

बढ़ा सकते हैं। अपने लिए उचित व्यायाम रूटीन चुनें और उसका पालन करें।

वज़न ना बढ़े इसके लिए भोजन पर नियंत्रण रखें। उन वस्तुओं को कम ना करें, जिनसे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। केवल उन्हीं को त्यागें या कम करें जिनसे वज़न बढ़ता है। पहले भोजन के मुख्य अवयव समझ लें। ये ऊर्जा देने वाले सबसे सरल भोज्य तत्व हैं, जो हमें शक्कर, रोटी, चावल, जूस, फल आदि से मिलते हैं। कार्बोहाइड्रेट की खासियत यह होती है कि यह दो घंटे में ही पच जाता है और ऊर्जा दे जाता है। अगर इससे मिलने वाली ऊर्जा का इस्तेमाल आप नहीं कर पाएं यानी आपकी क्रियाशीलता कम है, तो यह ऊर्जा फैट में तब्दील होकर शरीर में जमा हो जाएगी और वज़न बढ़ाएगी।

इनका उपयोग धीमी गति से होता है। प्रोटीन ज़रूरी तत्व है क्योंकि शरीर की भीतरी मरम्मत करने में तथा बच्चों के विकास में यह महती भूमिका निभाता है। प्रोटीन का स्रोत हैं- दालें, दूध, पनीर, गिरियां, अंडा और मांस-मछली आदि। इनसे अन्य ज़रूरी सूक्ष्म पोषक तत्व भी मिलेंगे, जो शरीर के लिए ज़रूरी हैं, जैसे ज़िंक, कैल्शियम, आयरन आदि।

मौसम के फलों और सब्ज़ियों से हमें विटामिन और खनिज मिलेंगे, जो रोगों से बचने के लिए ज़रूरी हैं।

कार्बोज़ का। इसके लिए रोटी, चावल, नूडल्स, ब्रेड, इडली आदि का उपयोग सीमित मात्रा में करें। दो घंटे से कम व्यायाम करने वाले और बैठकर काम करने वाले कार्बोज़ पर विशेष ध्यान दें। इसके लिए आहार निर्देश ये हैं कि महिलाएं दिन-भर में पांच रोटियों के बराबर का अनाज ले सकती हैं। इसमें रोटी, पोहा, उपमा, चावल आदि शामिल हैं। अगर सुबह एक कटोरी पोहा लिया है, तो लंच में दो रोटियां लें और शाम को थोड़ा उपमा लिया है, तो डिनर में एक रोटी ही खाएं। इसी तरह का कार्बोज़ प्रबंधन पुरुष भी करें। उन्हें दिन में आठ रोटियों के बराबर का अनाज खाना चाहिए।

आजकल बच्चे घर में ही हैं और व्यायाम या शारीरिक गतिविधि वाला कोई खेल भी नहीं खेल पा रहे हैं। उनका वज़न नियंत्रित रखने के लिए कार्बोज़ को उसी तरह प्रबंधित करें जैसे स्त्री-पुरुषों के लिए बताया गया है। डिब्बाबंद भोजन उन्हें ना खाने दें। घर का बना भोजन ही दें। बिस्किट्स, पिज़्ज़ा, बर्गर आदि सप्ताह में एकबार से ज़्यादा ना दें। दिन में एक चीज़ क्यूब एक बच्चे के लिए पर्याप्त होगा।

सफेद लिबास में इशिता दत्ता ने फ्लॉन्ट किया अपना हॉट फिगर

बॉलीवुड फिल्म दृश्यम में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी एक्ट्रेस इशिता दत्ता आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. एक्ट्रेस ने अपनी बेहतरीन अदाकारी से बॉलीवुड में अपनी एक अलग जगह बनाई जहां अब उनकी कुछ हॉट तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. आइए एक नजर डालते हैं एक्ट्रेस की तस्वीरों पर. इशिता दत्ता फिल्म एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता की छोटी बहन हैं. इशिता दत्ता हाल ही में हमें द गर्ल ऑन द ट्रेन फिल्म में नजर आईं थीं. सोशल मीडिया पर इस फिल्म की खूब चर्चा हुई थी. यह फिल्म पाउला हॉकिन्स के उपन्यास का हिंदी रूपांतरण है। द गर्ल ऑन द ट्रेन एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर थी, जिसे दर्शकों से काफी सराहना मिली। हाल ही में ईशिता ने ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं. जो अब वायरल हो रही हैं. अपने हॉट फिगर का खासा ख्याल रखती हैं इशिता दत्ता. सफेद लिबास में कहर बरपा रही हैं एक्ट्रेस. एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं. इशिता दत्ता का ये अंदाज है कातिलाना. इशिता दत्ता का बेबाक अंदाज उनके फैंस को खूब पसंद आता है. जहां वो अक्सर सोशल मीडिया पर अपने विचारों को रखती हैं. एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं.

मैंगो पल्प में अंडे का सफेद भाग मिलाकर लगाने से रिंकल्स दूर होंगे

आम एक ऐसा फल है जिसे खाने से जितने फायदे होते हैं, उतने ही इसे त्वचा पर लगाने से भी मिलते है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व त्वचा संबंधी कई समस्याएं दूर करने में फायदेमंद हैं। सिर्फ आम ही नहीं बल्कि इसके छिलके भी स्किन प्रॉब्लम दूर करने में उपयोगी हैं। यहां बताए जा रहे आम से बने तीन फेस पैक आपके काम आएंगे।

आम में विटामिन ई और पोटैशियम होता है जो स्किन को हेल्दी रखने में मदद करता है। इसमें मौजूद विटामिन ए कोलेजन उत्पादों को बढ़ाने में सहायक है। इसमें पाए जाने वाला एंटी एजिंग गुण बढ़ती उम्र का असर कम करने में इफेक्टिव है। इसमें मॉइश्चराइजिंग एजेंट होते हैं जो स्किन को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं। सिर्फ आम ही नहीं बल्कि इसके छिलके भी त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। आप चाहें तो इसके छिलकों को सूखाकर पीस लें। इसे डिब्बे में भरकर रखें और इस्तेमाल करें। पके हुए आम की तरह कच्चे आम का उपयोग भी रूप निखारने के लिए किया जा सकता है। कच्चे आमों को काटकर पानी में उबाल लें। इस पानी का इस्तेमाल चेहरे पर करने से पिंपल्स दूर होते हैं।

स्थिर रहे पेट्रोल-डीजल के दाम

नयी दिल्ली। पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार दो दिन बढने के बाद रविवार को रिकॉर्ड स्तर पर स्थिर रहे। अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 96.12 रुपये और डीजल 86.98 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रहा। दिल्ली में मई महीने के दौरान पेट्रोल 3.83 रुपये और डीजल 4.42 रुपये प्रति लीटर महंगा हुआ था। जून में अब तक पेट्रोल की कीमत 1.89 रुपये और डीजल की कीमत 1.83 रुपये बढ़ चुकी है।

अन्य शहरों में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 102.30 रुपये और डीजल की कीमत 94.39 रुपये प्रति लीटर पर पर रही। चेन्नई में पेट्रोल 97.43 रुपये और डीजल 91.64 रुपये प्रति लीटर के भाव बिका। कोलकाता में एक लीटर पेट्रोल 96.06 रुपये का और डीजल 89.83 रुपये का मिला। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

कोरोना वैक्सीन पर जीएसटी में कमी नहीं

नई दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद में कोरोना वैक्सीन पर जीएसटी को पांच फीसदी पर यथावत रखा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आज हुई जीएसटी परिषद की 44 वी बैठक में वैक्सीन पर जीएसटी को कम करने के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। वित्त मंत्री ने बैठक के बाद कहा कि सभी देशवासियों के लिए केंद्र सरकार वैक्सीन की खरीद कर राज्यों को दे रही है इसलिए जीएसटी दर को लेकर के किसी को चिंतित होने की जरूरत नहीं है। इस पर जीएसटी की दर यथावत है। उल्लेखनीय है कि घरेलू स्तर पर अभी दो वैक्सीन का निर्माण हो रहा है जिस पर 5प्रतिशत जीएसटी लगता है।

डिवीजन मुख्यालय को कभी भी बंद कर सकता है सेल, कर्मचारियों की नौकरी जाने का खतरा

कोलकाता। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया में संविदा पर काम कर रहे कर्मचारियों को कोरोना काल के दौरान और मुश्किल समय का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सेल कोलकाता में अपने कच्चे माल के डिवीजन मुख्यालय को कभी भी ''बंद'' कर सकता है। यह जानकारी सूत्रों ने शनिवार को दी।

ऐसा माना जा रहा है कि यह निर्णय इकाई से जुड़े संविदा कर्मचारियों के लिए एक बड़ा झटका होगा। हालांकि इस मामले में अभी आधिकारिक घोषणा की जानी बाकी है। सूत्रों का कहना है कि कंपनी के बोर्ड ने कोलकाता में डिवीजन मुख्यालय को बंद करने और अपनी खानों का नियंत्रण उनके स्थान के आधार पर राउरकेला स्टील प्लांट (ओडिशा) और बोकारो स्टील प्लांट (झारखंड) को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है।''

सूत्रों के अनुसार ओडिशा में स्थित सेल की खदानें राउरकेला स्टील प्लांट के प्रशासनिक नियंत्रण में आएंगी जबकि झारखंड की खदानें बोकारो स्टील प्लांट के अधिकार क्षेत्र में आएंगी। इस कदम से प्रमुख स्टील कंपनी को सालाना लगभग 40 करोड़ रुपये की बचत होने की संभावना है। हालांकि इससे संविदा पर काम करने वाले लोगों पर गाज गिर सकती है।

वहीं कोलकाता में डिवीजन मुख्यालय ने सेल की चेयरमैन सोमा मंडल से इस फैसले पर दोबारा विचार करने को कहा है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस मुद्दे में हस्तक्षेप की बात कही है। सूत्रों ने बताया कि कोलकाता स्थित डिवीजन मुख्यालय में गैर-संविदात्मक कर्मचारियों को राउरकेला और बोकारो में स्थानांतरित किया जाएगा।

हालांकि संविदा कर्मचारियों की नौकरी को झटका लग सकता है। सूत्रों के अनुसार संविदा कर्मचारियों के एक वर्ग ने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए सेल अध्यक्ष सोमा मंडल से संपर्क किया था। साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हस्तक्षेप की भी मांग की थी। बता दें कि शुक्रवार को सेल अथॉरिटी ऑफ इंडिया के शेयर पांच फीसदी ऊपर चढ़े थे।

सोने की कीमत में बढ़त, 1148 रुपये महंगी हुई चांदी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोने का दाम 441 रुपये बढ़कर 48,530 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, पिछले सत्र में इसका दाम 48,089 रुपये प्रति 10 ग्राम था। चांदी की बात करें, तो इस दौरान चांदी में 1,148 रुपये की बढ़त आई और यह 71,432 रुपये प्रति किलो हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 70,284 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का दाम 1,896 डॉलर प्रति औंस पर रहा जबकि चांदी का दाम 28.15 डॉलर प्रति औंस पर था।

अमेरिका और चीन के बाजार में सुधार आने से भारतीय हीरा उद्योग में इस साल 20 फीसदी निर्यात बढ़ने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने बताया कि भारत से निर्यात होने वाले तराशे हीरे का 75 फीसदी हिस्सा अमेरिका और चीन में जाता है। महामारी के दबाव से उबरने की कोशिश कर रहा भारतीय हीरा उद्योग दूसरी छमाही से तेजी पकड़ सकता है और 2021 में निर्यात 20 अरब डॉलर रह सकता है। बीते साल 16.4 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था, जो 2019 के मुकाबले 12 फीसदी कम था। कोविड संक्रमण की दूसरी लहर बीतने पर हीरा उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों की वापसी होगी, जिससे उत्पादन में भी तेजी आएगी।

केंद्र ने स्वर्ण आभूषण और कलाकृतियों के लिए अनिवार्य रूप से हॉलमार्किंग व्यवस्था लागू करने की समयसीमा एक पखवाड़ा बढ़ाकर 15 जून तक कर दी। उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस आशय का निर्णय किया गया। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2019 में सरकार ने स्वर्ण आभूषण और कलाकृतियों पर हॉलमार्किंग 15 जनवरी, 2021 से अनिवार्य किए जाने की घोषणा की थी। गोल्ड हॉलमार्किंग कीमती धातु की शुद्धता को प्रमाणित करता है और वर्तमान में यह स्वैच्छिक है।

टॉप-10 में से 5 कंपनियों का मार्केट कैप 1 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

नई दिल्ली। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में हल्की बढ़त देखी गई। इसके बावजूद बंबई स्टॉक एक्सचेंज की टॉप-10 में से 5 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.01 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। इस दौरान आईटी कंपनी टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस और इंफोसिस के मार्केट कैप में सबसे ज्यादा इजाफा हुआ। बीते सप्ताह 30 शेयरों के संवेदी सूचकांक सेंसेक्स में 374.71 पॉइंट या 0.71त्न की तेजी दर्ज की गई। डाटा के मुताबिक, बीते सप्ताह टीसीएस के मार्केट कैप में 47,551.31 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी रही है। इसके साथ कंपनी का मार्केट कैप 12 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार करते हुए 12.10 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। क्चस्श्व की टॉप-10 कंपनियों में टीसीएस टॉप गेनर रही है। अन्य प्रमुख आईटी कंपनी इंफोसिस का मार्केट कैप बीते सप्ताह 26,227.28 करोड़ रुपए बढ़कर 6.16 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 14,200.35 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 14.02 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। डाटा के मुताबिक, बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में बीते सप्ताह 7,560.02 करोड़ रुपए का इजाफा रहा है। अब कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 3.69 लाख करोड़ रुपए हो गया है। हिन्दुस्तान यूनीलिवर लिमिटेड का मार्केट कैप 5,850.48 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5.56 लाख करोड़ रुपए हो गया है। लोन देने वाली कंपनी ॥छ्रस्रष्ट के मार्केट कैप में 10,968.39 करोड़ रुपए की गिरावट रही है। इसके साथ कंपनी का मार्केट कैप घटकर 4,61,972.21 करोड़ रुपए रह गया है। बीते सप्ताह ॥छ्रस्रष्ट बैंक के मार्केट कैप में 8,249.47 करोड़ रुपए की गिरावट रही है। अब बैंक का मार्केट कैप 8.20 लाख करोड़ रुपए रह गया है। ढ्ढष्टढ्ढष्टढ्ढ बैंक का मार्केट कैप 4,927.52 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 4.40 लाख करोड़ पर आ गया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया यानी एसबीआई का मार्केट कैप 3,614.47 करोड़ रुपए घटकर 3.83 लाख करोड़ रुपए रह गया है। कोटक महिंद्रा बैंक का मार्केट कैप 2,924.02 करोड़ रुपए घटकर 3.55 लाख करोड़ रुपए रह गया है।

अंडर-डिस्पले कैमरा के साथ फ्लैगशिप फोन का अनावरण कर सकती है श्याओमी

बीजिंग। स्मार्टफोन ब्रांड श्याओमी ने श्याओमी मी 11 अल्ट्रा के समान क्षमता वाला एक फ्लैगशिप लॉन्च करने की योजना बनाई है, जिसमें अल्ट्रा-वाइड बैंड (यूडब्ल्यूबी) ट्रैकिंग तकनीक और एक अंडर-डिस्पले सेल्फी कैमरा हो सकता है। जीएसएमएरिना की रिपोर्ट के अनुसार, यूडब्ल्यूबी को पहले से ही एप्पल और सैमसंग दोनों के नवीनतम फ्लैगशिप डिवाइसों में चित्रित किया गया है।

सैमसंग स्मार्टटैग और एप्पल एयरटैग दोनों क्रमशः गैलेक्सी एस21 और आईफोन 12 का उपयोग करके सटीक ट्रैकिंग के लिए इस तकनीक का उपयोग करते हैं।

श्याओमी यूडब्ल्यूबी - संगत, ट्रैक करने योग्य एक्सेसरीज पेश करने की योजना बना सकता है।

हाल के कार्यान्वयन में, अंडर-डिस्पले कैमरा अभी भी आदर्श नहीं है, क्योंकि एक डिस्पले अभी तक पारदर्शी नहीं है, जिससे प्रकाश गुजर सके। हालांकि, गूगल का एक हालिया पेटेंट स्विचिंग प्रिज्म का उपयोग करके इसे हल किया जा सकता है।

श्याओमी के फ्लैगशिप में मी 11 अल्ट्रा की तरह ही प्रभावशाली कैमरा सेटअप होने की उम्मीद है। इसके अलावा, डिवाइस में 70 वॉट फास्ट-वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट के साथ 120 वॉट वायर्ड फास्ट-चार्जिंग की सुविधा हो सकती है।

जून में, श्याओमी इंडिया ने घोषणा की थी कि उसकी मी 11एक्स सीरीज के उपकरणों ने लॉन्च के केवल 45 दिनों में 300 करोड़ रुपये से अधिक की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की है।

मी 11एक्स और मी 11एक्स प्रो दोनों में शानदार कैमरे, नवीनतम फ्लैगशिप स्नैपड्रैगन 870 और 888 सीरीज चिपसेट, शक्तिशाली डॉल्बी स्टीरियो स्पीकर, 120 हॉट्र्ज ई4 सुपर एएमओएलईडी डिस्प्ले और फास्ट चार्जिंग क्षमताएं हैं, जिसका उद्देश्य एक प्रीमियम स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करना है।

जॉन सीना हुए विराट के मुरीद, इंस्टाग्राम पर पोस्ट की कप्तान की तस्वीर, फैन्स हुए कन्फ्यूज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली को मौजूदा समय में दुनिया का सबसे बेहतरीन क्रिकेटर माना जाता है। क्रिकेट के मैदान पर उनके द्वारा किया गया प्रदर्शन विराट के बार में खुद गवाही देता है। साल 2008 में अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर का आगाज करने वाले विराट ने रनों का अंबार लगाते हुए कई बार टीम जिताया है। वह जब कभी मैदान पर उतरतें हैं तो कोई न कोई कीर्तिमान जरूर बनाते हैं। यही वजह है कि देश और दुनिया में उनके चाहने वालों की तादाद करोड़ों में है।

विराट को सिर्फ क्रिकेट जगत से जुड़े लोग ही नहीं चाहते बल्कि बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन, इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी विराट के प्रशंसक हैं। लेकिन अब इस कड़ी में वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्लयूडब्लयूई) स्टार जॉन सीना का भी नाम जुड़ गया है। उन्होंने 12 जून (शनिवार) को विराट कोहली की एक शानदार फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की।

जॉन सीना ने विराट की ये फोटो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की। कोहली की ये तस्वीर मैच में बल्लेबाजी करने के वक्त की है। जॉन ने अपने इंस्टाग्राम बायो में लिखा, हमारे इंस्टाग्राम पर आपका स्वागत है, इस तस्वीरों को हमारे इंस्टाग्राम पर बिना किसी व्याख्या के पोस्ट किया गया है। अपनी व्याख्या के लिए एंज्वाय करें।

जॉन सेना ने विराट की ये तस्वीर जैसे ही इंस्टाग्राम पर पोस्ट की तो लाइक्स और कमेंट की बरसात होने लगी। इससे फैन्स भी भ्रमित हैं और वह इस तस्वीर के पीछे का राज जानना चाहते हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूई में परचम लहराने वाले जॉन सीना क्या आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के दौरान न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया को सपोर्ट कर रहे हैं। जब कुछ फैन्स का मानना है कि जॉन चाहते हैं कि विराट टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में यादगार और विजयी पारी खेलें।

ये पहली बार नहीं है जब जॉन सीना ने विराट कोहली की तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की हो। इससे पहले साल 2019 में भारत बनाम न्यूजीलैंड विश्व कप सेमीफाइलन मैच से पहले भी उन्होंने विराट की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की थी। हालांकि भारत को उस वर्ल्ड कप सेमीफाइनल मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ हार मिली थी। वहीं एक बार फिर भारत इंग्लैंड की धरती पर बहुत प्रतीक्षित आईसीसी टेस्ट चैम्पियनशिप का मुकाबला न्यूजीलैंड के विरुद्ध खेलेगा। दोनों टीमों के बीच ये मैच 18 जून से साउथैम्पटन में शुरू होगा।

सचिन की बेटी सारा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया वीडियो, लोगों को याद आए शुभमन गिल

नई दिल्ली। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। क्रिकेटरों की बेटियों की बात की जाए तो सारा की स्टाइल और अंदाज सबसे जुदा है। यही वजह है कि सारा जब कभी सोशल मीडिया पर कोई वीडियो शेयर करती हैं तो फैंस उसे काफी पसंद करते हैं। बीते कुछ समय पहले टीम इंडिया के उद्दीयमान खिलाड़ी शुभमन गिल के साथ उनके अफेयर होने की अफवाह आई। सारा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और वह इन दिनों मुंबई में हैं।

11 जून को सारा तेंदुलकर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वह काफी मस्ती करते दिख रही हैं। सारा ने जैसे ही ये वीडियो शेयर किया तो लाइक और कमेंट करने वालों की बाढ़ आ गई।

सारा इस वीडियो में अलग-अलग मूड में दिख रही हैं। इस दौरान उन्होंने क्रीम कलर की ओवर साइज्ड ड्रेस पहनी है। चश्मा लगाए सारा वीडियो में पाउट करते हुए देखी जा सकती हैं। उनके इस वीडियो को देखने के बाद लोगों को शुभमन गिल की याद आने लगी। वह कमेंट बॉक्स में जाकर शुभमन को टैग भी कर रहे हैं।

बीते साल आईपीएल के दौरान सारा तेंदुलकर ने शुभमन गिल के एक मैच के वीडियो को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी बनाया था। जिसके बाद ये अफवाह उठी कि सारा और शुभमन एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि दोनों ही अफेयर की खबरों को इनकार कर चुके हैं।

एंडरसन समेत 80 से ज्यादा फर्स्ट क्लास खिलाड़ी खेलेंगे

न्यूयार्क। अमेरिका अब क्रिकेट में भी अपनी धाक जमाने की तैयारी में है। वहां 31 जुलाई से माइनर लीग टी20 की शुरुआत हो रही है। 6 हफ्ते चलने वाली इस लीग में 27 फ्रेंचाइजी होंगी। इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए दुनिया भर के 80 से ज्यादा फर्स्ट क्लास क्रिकेटरों ने अपना नाम ड्राफ्ट कराया, जिसमें ज्यादातर इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुके हैं। अभी इनकी संख्या में और इजाफा हो सकता है। बड़े नामों में न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर कोरी एंडरसन है। वे डलास के लिए खेलेंगे। कुल 420 खिलाड़ी ड्राफ्ट हुए हैं। जिसमें 54 लोकल अंडर-21 और 27 अंडर-19 के खिलाड़ी हैं। इन्हें इलेवन में जगह देना अनिवार्य है। लीग में भारत के 11 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। जिसमें 76 आईपीएल मैच खेल चुके सिद्धार्थ त्रिवेदी भी हैं। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज त्रिवेदी राजस्थान रॉयल्स के लिए सबसे ज्यादा 65 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्हें सेंट लूसिया अमेरिकन्स ने चुना है। दिल्ली रणजी टीम के उपकप्तान रह चुके मिलिंद कुमार फिलाडेल्फियंस के लिए खेलेंगे।

ईसीबी अपने खिलाड़ियों की सोशल मीडिया पर करेगा समीक्षा

लंदन। इंग्लैंड के खिलाड़ियों की ओर से अतीत में विवादित ट्वीट के मामले सामने आने के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पुराने मसलों को हल करने और खिलाड़ियों को उनकी जिम्मेदारियों का एहसास कराने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर उनकी समीक्षा करने का फैसला लिया है।

दरअसल ईसीबी ने पिछले हफ्ते तेज गेंदबाज रॉबिंसन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से निलंबित कर दिया था। उनके द्वारा 2012 और 2013 में नस्लभेदी और लिंगभेदी संबंधी ट्वीटों को लेकर उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई थी। पोस्ट के बाद लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के बाद उनकी जांच लंबित थी, हालांकि 27 वर्षीय रॉबिंसन ने इसके बाद सार्वजनिक तौर पर माफी मांग ली थी। उन्होंने गुरुवार को क्रिकेट से छोटा ब्रेक लेने की बात भी कही थी।

इस बीच पिछले हफ्ते इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ियों जेम्स एंडरसन, इयोन मोर्गन और जॉस बटलर के भी पुराने विवादित ट्वीट सामने आए थे। ईसीबी ने कहा, पिछले कुछ दिनों के घटनाक्रम को ध्यान में रखते हुए बोर्ड पुराने विवादित मुद्दों को हल करने के लिए कार्यकारियों की खिलाड़ियों की सोशल मीडिया समीक्षा संबंधी सिफारिश पर सहमत हुआ है। यह पहल खिलाड़ियों को उनकी व्यक्तिगत जिम्मेदारियों का एहसास और उन्हें सबक सीखने में मदद करेगी। समीक्षा सहयोगी होगी, और क्रिकेट से जुड़ा हर एक शख्स इस समीक्षा में शामिल होगा। खिलाड़ियों के साथ-साथ ईसीबी प्रशासकों और कोच भी इसके दायरे में होंगे।

उल्लेखनीय है कि ईसीबी अब संदर्भ की शर्तों पर सहमत होकर इंग्लैंड के पेशेवर क्रिकेटर संघ (पीसीए), टीम इंग्लैंड प्लेयर पार्टनरशिप (टीईपीपी) और इंग्लैंड वुमेन्स प्लेयर पार्टनरशिप (ईडब्ल्यूपीपी) के साथ मिलकर काम करेगा। ईसीबी ने यह भी कहा कि खिलाड़ियों के सोशल मीडिया की समीक्षा करने का फैसला भविष्य में आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई को नहीं रोकेगा, अगर जरूरी हुआ तो।

ईसीबी के प्रमुख इयान वाटमोर ने कहा, बोर्ड खिलाड़ियों के कार्यों की जांच करेगा और इसमें कोताही पाए जाने पर उनके खिलाफ कार्रवाई करेगा। क्रिकेट की राष्ट्रीय गवर्निंग बॉडी होने के नाते हमें खिलाड़ियों को एक समावेशी छवि पेश करने में मदद करने, उनसे क्या अपेक्षा की जाती है इस बारे में उन्हें शिक्षित करने और उन्हें जनता के सामने खुद को व्यक्त करने की सहूलियत देने को लेकर एक व्यवस्था बनानी चाहिए।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

RNI No : UPHIN/2019/79194

Mob: 9453694257
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।